CNEWS सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-54
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार, 31 मई 2024

**आज का विचार**

किसी भी इंसान की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प उसे भिखारी से राजा बना सकती है।

मां अहिल्या जयंती की शुभकामनाएं

लोकसभा चुनाव के 7वें और अंतिम चरण का प्रचार खत्म, 1 जून को 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की कुल 57 सीटों पर वोटिंग

## प्रधानमंत्री हुए ध्यानमग्न

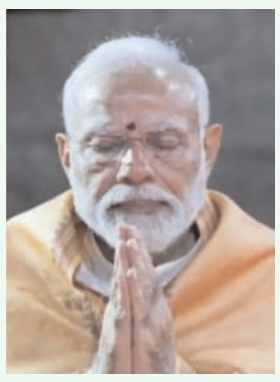

**कन्याकुमारी।** लोकसभा चुनाव के 7वें और अंतिम चरण के तहत शनिवार 1 जून को 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की कुल 57 सीटों पर वोटिंग होनी है। इन सीटों पर चुनाव प्रचार गुरुवार को खत्म हो गया। प्रचार अभियान के अंत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा पर ध्यान लगाने के लिए कन्याकुमारी पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी का कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल के ध्यान मंडपम में 45 घंटे का ध्यान गुरुवार शाम से शुरू हो गया। वे 1 जून तक ध्यानमग्न रहेंगे। मोदी उसी जगह ध्यान कर रहे हैं, जहां स्वामी विवेकानंद ने भी ध्यान किया था। लोकसभा चुनाव के प्रचार का शोर थमते ही पीएम मोदी गुरुवार की शाम कन्याकुमारी पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी सफेद धोती और शॉल पहना था। पुजारियों ने उन्हें विशेष आरती कराई और प्रसाद, शॉल और देवी भगवती अम्मन की फ्रेम में मढ़ी हुई तस्वीर दी। मोदी तिरुवनंतपुरम से कन्याकुमारी हेलिकॉप्टर से पहुंचे थे। यहां से वे ध्यान मंडपम तक फेरी से पहुंचे। पीएम मोदी एक जून की शाम को दिल्ली के लिए रवाना हो सकते हैंष एक जून की शाम को रवाना होने से पहले वे तमिल कवि तिरुवल्लुवर की 133 फीट ऊंची प्रतिमा भी देखने जाएंगे। लोकसभा चुनाव की समाप्ति के बाद भी पीएम मोदी की यह कन्याकुमारी यात्रा एक तरफ जहां तमिलनाडु के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता एवं प्रेम को व्यक्त करती है, वहीं इससे यह भी पता लगता है कि विकसित भारत और 2047 के अपने संकल्प को लेकर वह कितने गंभीर और प्रतिबद्ध है। वे कन्याकुमारी में ध्यान लगाकर देशवासियों को राष्ट्रीय एकता का संदेश भी देना चाहते हैं। विवेकानंद रॉक मेमोरियल वह जगह है जहां स्वामी विवेकानंद ने तीन दिनों तक तपस्या करते हुए विकसित भारत का सपना देखा था। बताया जाता है कि यहां स्वामी विवेकानंद को भारत माता के दिव्य दर्शन हुए थे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह वही स्थान है, जहां देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर भगवान शिव की प्रतीक्षा की थी। यह भारत का सबसे दक्षिणी छोर है, जहां पर पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट आपस में मिलते हैं। यह क्षेत्र हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन स्थल भी है। यह स्मारक और मूर्ति दोनों छोटे-छोटे टापुओं पर बनाए गए हैं, जो समुद्र में अलग-अलग और टीले जैसी चट्टानी संरचनाएं हैं। मोदी के इस कार्यक्रम के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा की गई है। लोकसभा चुनाव के लिए देशभर में पिछले 75 दिनों के दौरान पीएम ने 206 चुनावी रैलियां, रोड शो और चुनाव से जुड़े अन्य कार्यक्रमों में हिस?सा लिया। इस दौरान 80 से ज्यादा मीडिया इंटरव्यू भी दिए। प्रधानमंत्री ने 2019 लोकसभा चुनाव में प्रचार के बाद केदारनाथ गुफा में भी इसी तरह ध्यान लगाया था।

**सरकार ने सभी कलेक्टरों को जारी किए स्कूलों पर कार्रवाई के निर्देश**

## पूरे मप्र में नहीं चलेगी निजी स्कूलों की मनमानी

मध्यप्रदेश सरकार ने गुरुवार को मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबन्धित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2018 एवं नियम 2020 के प्रावधानों के तहत प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने इस बारे में कहा है कि हम फीस वृद्धि की समीक्षा की कर रहे है। अगर किसी स्कूल में एक साथ पांच साल की फीस बढ़ाई है तो वह गलत है।अगर किसी स्कूल ने नियम से ज्यादा फीस बढ़ाई है तो कार्रवाई होगी। फीस वृद्धि को लेकर सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सभी कलेक्टर अपने जिलों में फीस वृद्धि की जांच करेंगे। इस मामले में जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना की कार्रवाई मिसाल बनी है। सक्सेना ने 11 निजी विद्यालयों की जांच कराकर वहां फर्जी और डुप्लीकेट पुस्तकें चलाने और 81.30 करोड़ रुपए की ज्यादा वसूली गई फीस कम कराने तथा 22 लाख की पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई की है। इसके साथ ही इन विद्यालयों के 20 प्राचार्यों, चेयरमैन, सीईओ, सचिव और अन्य पदाधिकारियों की गिरफ्तारी भी की गई है। जबलपुर कलेक्टर की कार्यवाही के बाद दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर और शहडोल कलेक्टर तरुण भटनागर ने भी जिले के विद्यालयों की जांच शुरू कराई हैं। पोर्टल पर विद्यालयों से जानकारी अपलोड करने के लिए कहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2018 और नियम 2020 के प्रावधानों का पालन सख्ती से कराने को कहा है। इसको लेकर गुरुवार को जारी निर्देश में कलेक्टरों से कहा गया है कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 20 मई को जारी पत्र में फीस और अन्य विषयों की जानकारी अशासकीय विद्यालयों से पोर्टल पर 8 जून तक जमा कराने के निर्देश जारी किए गए थे। इस बीच साफ हुआ है कि कुछ विद्यालयों के मैनेजमेंट द्वारा सरकार के नियम और निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे में मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 का खुला उल्लंघन हो रहा है। यह गंभीर है और इसकी शिकायतों को देखते हुए नए निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

**फर्जी व डुप्लीकेट पुस्तकों को लेकर चलेगा अभियान**

सरकार की ओर से जारी निर्देश में यह भी कहा गया है कि फर्जी व डुप्लीकेट आईएसबीएन पाठ्यपुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। इसे ठीक करने के लिए 30 जून 2024 तक विशेष अभियान चलाकर जांच कराएं। चिन्हित करें कि कितने विद्यालयों द्वारा किन कारणों से ऐसी गड़बड़ी की गई है? गड़बड़ी करने वाले प्रकाशक और बुक सेलर्स के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाए। इसकी जांच रिपोर्ट भी कलेक्टरों को देने के लिए कहा गया है।

**कलेक्टर कड़ाई से कराए नियमों का पालन** - कलेक्टर्स को जारी दिशा-निदेर्शों में कहा गया है कि राज्य शासन को कतिपय निजी विद्यालयों द्वारा शासन द्वारा जारी निदेर्शों का उल्लंघन कर अनियमितता बरतने की शिकायतें मिल रही हैं। कलेक्टर्स इस अधिनियम के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करायें।

### चुनाव से पहले प. बंगाल के 25 से ज्यादा बीजेपी नेताओं एक्स सुरक्षा

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 25 से ज्यादा बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इन सभी नेताओं को एक्स कैटेगरी की सीआईएसएफ (सीआईएसएफ) सुरक्षा दी है। सन्देशखली, 24 परगना, मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर के नेताओं और बीजेपी कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार ने सुरक्षा दी है। ये नेता ज्यादातर इन जिलों के गांवों और छोटे शहरों में रहते हैं। बताया गया कि खतरे के आंकलन के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इन बीजेपी नेताओं को सुरक्षा दी है। जबसे लोकसभा चुनाव का ऐलान हुआ है, पश्चिम बंगाल में लगभग 50 से ज्यादा बीजेपी नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा दी है। एक्स श्रेणी की सुरक्षा में 2 हथियारबंद जवान किसी शख्स की सुरक्षा व्यवस्था करते हैं। पश्चिम बंगाल में मौजूदा वक्त में 125 से ज्यादा बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार से सुरक्षा मिली हुई है। सीआईएसएफ के कमांडो इन नेताओं को सुरक्षा दे रहे हैं। खतरे की आशंका के चलते ये सुरक्षा दी गई है। गौरतलब है कि इससे पहले पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। इसमें करीब 17 लोगों के मारे जाने की पुष्टि पुलिस ने की थी। मगर बीजेपी ने करीब 270 से ज्यादा हिंसक घटनाओं की लिस्ट जारी की थी।

### चारधाम यात्रा में वीआईपी दर्शन पर अब 10 जून तक लगी रोक, निर्देश जारी

**देहरादून।** चारधाम यात्रा में वीआईपी दर्शन पर रोक 10 जून तक बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को इस संबंध में पत्र भी भेजा है। इससे पहले 30 मई तक सभी वीआईपी दर्शन प्रतिबंधित रखे जाने के आदेश दिए गए थे। उत्तराखंड पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने बताया कि यात्रा के लिए व्यापक प्रबंध किये गए हैं। हरिद्वार और देहरादून में बिना रजिस्ट्रेशन वाले यात्रियों को रोक कर उनका रजिस्ट्रेशन कराने की व्यवस्था की गई है। ऋषिकेश में भी जो रजिस्टर्ड यात्री हैं, अगर ऊपर भीड़ है, तो रोकने की व्यवस्था की गई है। आगे जो यात्री आ रहे हैं, वो पंजीकरण करा के ही आएं। 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक 14 लाख से ज्यादा श्रद्धालू उत्तराखंड पहुंच चुके हैं। गुरुवार को चारधाम यात्रा के प्रवेश द्वार हरिद्वार पहुंचे उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने दावा किया कि कोविड के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि चारधाम यात्रा की शुरुआत में श्रद्धालुओं की ऐसी भीड़ उमड़ी हो।यात्रियों का आंकड़ा 14 लाख पार कर चुका है। डीजीपी ने उत्तराखंड आ रहे सभी यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन के वे यहां ना आएं और खराब मौसम को देखते हुए पुलिस के निर्देशों का जरूर पालन करें। डीजीपी ने माना कि शुरुआती दौर में आई भारी भीड़ के चलते व्यवस्थाएं पटरी से उतरीं लेकिन अब सारी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं और पुलिस पूरी तरह से तैयार है।

## केरल पहुंचा दक्षिण-पश्चिम मानसून, पूर्वोत्तर की ओर बढ़ा

**नई दिल्ली।** दक्षिण पश्चिम मानसून ने पूर्वानुमान से एक दिन पहले गुरुवार को केरल तट पर दस्तक दे दी। अब यह पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को बताया था कि अगले 24 घंटों के दौरान केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी रहेंगी। मौसम कार्यालय ने 15 मई को केरल में 31 मई तक मानसून के दस्तक देने का अनुमान जताया था। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मानसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मानसून के जल्दी आने का एक कारण हो सकता है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार केरल में पिछले कुछ दिन से भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप मई में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि पांच जून है। आईएमडी ने कहा कि इस अवधि के दौरान दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव, कोमोरिन, लक्षद्वीप के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी, उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। आईएमडी केरल में मानसून के आगमन की घोषणा तब करता है, जब 10 मई के बाद किसी भी समय केरल के 14 केंद्रों और पड़ोसी क्षेत्रों में लगातार दो दिनों तक 2.5 मिमी या उससे अधिक वर्षा होती है, आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन (ओएलआर) कम होता है और हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिमी की ओर होती है। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून के आस-पास केरल में प्रवेश करता है। सामान्य तौर पर यह उछाल के साथ उत्तर की ओर बढ़ता है और 15 जुलाई के आसपास पूरे देश को कवर कर लेता है। इससे पहले 22 मई मानसून अंडमान निकोबार में दस्तक देता है। इस बार अंडमान में मानसून का आगमन सामान्य से 3 दिन पहले, 19 मई को हो गया है। हालांकि, मानसून के इंतजार में बैठे उत्तर-भारत के लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। दिल्ली-एनसीआर में 30 जून से 2 जुलाई के बीच मानसून की बौछारें गर्मी की तपिश से राहत दे सकती हैं। वहीं यूपी में 18 से 20 जून के बीच मानसून के दस्तक देने की संभावना है।

**उत्तर पश्चिम भारत में राहत कब से?**- इस बीच भीषण गर्मी और लू से जूझ रहे दिल्ली समेत उत्तर पश्चिम भारत के इलाकों को 30 मई के बाद राहत मिल सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत के हिस्सों में भीषण लू चल रही है और ये अगले तीन दिन जारी रह सकती है, लेकिन 30 मई को गरज के साथ बारिश होने की संभावना है, हालांकि यह राहत अस्थायी होगी और जून में दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान समेत देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। जून में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, यूपी, गुजरात के कुछ हिस्सों और उत्तर पश्चिम भारत में सामान्य से ज्यादा दिनों तक तेज लू चल सकती है।

**अल नीनो प्रणाली कमजोर हो रही**- मौसम विभाग की मानें तो देश में अल नीनो प्रणाली कमजोर हो रही है और ला नीना स्थितियां सक्रिय हो रही हैं, जो इस साल अच्छे मानसून के लिए अनुकूल है। इसी के चलते भारत में मानसून ने समय से पहले दस्तक दे दी है। वहीं, ला नीना के साथ-साथ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) स्थितियां भी इस साल अच्छे मानसून के लिए अनुकूल हो रही हैं, जो मानसून के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

## रेत माफिया ने की ट्रैक्टर से टीआई को कुचलने की कोशिश

**मुरैना।** मध्यप्रदेश के चंबल इलाकों में रेत माफियाओं की हौसले अभी भी बुलंद हैं। मुरैना में कार्रवाई करने गई पुलिस को ही माफिया ने कुचलने की कोशिश की है जिसमें थाना प्रभारी बाल बाल बचे हैं। बताया जा रहा है कि थाना प्रभारी रामबाबू यादव कार्रवाई करने गए थे। उसी दौरान माफिया की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से थाना प्रभारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें पहले मुरैना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन गंभीर हालत होने के कारण उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। इस पूरे मामले में पुलिस ने माफिया के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई करते समय अवैध पत्थर से भरे टैक्टर ट्रॉली को रोका तो ट्रैक्टर चालक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली को लेकर भागने लगे। ट्रैक्टर विक्रम नगर में लगे बिजली के खंभे को तोड़कर एक मकान के सामने नीम के पेड़ से टकरा गया। उसी समय ट्रैक्टर की चपेट में आने से थाना निरीक्षक रामबाबू यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें घायल अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल से ग्वालियर अस्पताल रेफर किया गया। वहीं सीएसपी राकेश गुप्ता ने बताया कि चंबल कमिश्नर के आदेश पर खनन विभाग और सिविल लाइन टी आई रामबाबू यादव फोर्स के साथ वहां गए थे। सूचना मिली थी कि अवैध पत्थर के ट्रैक्टर विक्रम नगर की तरफ जा रहे हैं। सूचना पर जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो 2 से 3 ट्रैक्टर नजर आए। जिसके बाद उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो 2 ट्रैक्टर भाग निकले। आखिरी ट्रैक्टर को पकड़ने के लिए टी आई रामबाबू यादव ट्रैक्टर पर चढ़ गए। ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर को तेजी से भगाया और टी आई की जान से मारने की कोशिश की। इस दौरान असंतुलित होकर ट्रैक्टर नीम के पेड़ से टकरा गया। जिसके कारण टी आई रामबाबू यादव घायल हो गए। वहीं मौके पर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह ठाकुर और नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश गुप्ता ने अस्पताल पहुंचकर घायल थाना प्रभारी का हाल जाना। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज़ किया है।

## स्कूल की किताब में मनुस्मृति के श्लोक से विवाद, चैप्टर हटाना पड़ा

**मुंबई।** महाराष्ट्र में नए स्कूली पाठ्यक्रम में एक ऐसे चैप्टर को लेकर विवाद हो गया है, जिसकी शुरुआत मनुस्मृति के एक श्लोक से हुई। बढ़ती नाराजगी के बाद सरकार ने इसे हटा लिया। मनुस्मृति हमेशा से देश में सामाजिक तौर पर विवादित ग्रंथ माना जाता रहा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने तो इसे जातिवादी और पिछड़ी जातियों के प्रति अन्याय करने वाला बताया था। उन्होंने इसे पिछड़ी जातियों के प्रति अन्याय का प्रतीक मानते हुए जलाया था। हालांकि उस समय इसका बहुत विरोध हुआ था। नाराजगी भी फैली थी। दरअसल महाराष्ट्र में पिछले हफ्ते राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने नए महाराष्ट्र राज्य पाठ्यक्रम ढांचे का अनावरण किया, जिसमें एक किताब का अध्याय छात्रों के चरित्र निर्माण पर केंद्रित था। इसकी शुरुआत मनुस्मृति के एक संस्कृत श्लोक से हुई। इसे शामिल करने की आलोचना जब हर ओर से हुई तो राज्य सरकार ने कदम पीछे खींच लिया। दरअसल दलित और पिछड़ा वर्ग हमेशा से इसे सामाजिक तौर अन्यायपूर्ण हिंदू ग्रंथ के तौर पर इसे देखता रहा है।

## विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से, मोहन सरकार पेश करेगी पूर्ण बजट

**भोपाल।** मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई को शुरू होगा। 19 जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में 14 बैठकें आयोजित होंगी। इस दौरान डॉ मोहन यादव सरकार आर्थिक सर्वेक्षण, पूर्ण बजट और विभागीय प्रतिवेदन पेश करेगी। संसदीय कार्य विभाग के प्रस्ताव पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अनुमोदन के बाद विधानसभा सचिवालय ने अधूसिचना जारी कर दी है। मानसून सत्र की बैठकें एक से पांच जुलाई तक लगातार चलेंगी। छह और सात जुलाई को शनिवार-रविवार का अवकाश रहेगा। इसके बाद 13-14 जुलाई और 17 जुलाई को अवकाश रहेगा। सत्र में 14 बैठकें होंगी। लोकसभा चुनावों के बाद होने वाला यह सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। इस समय पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ-साथ कई विधायक लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने अपने कुछ विधायकों को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। यदि विधायक लोकसभा चुनाव जीतते हैं तो उनकी सीटें खाली हो सकती हैं। राज्य सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले लेखानुदान पेश किया था। सरकार ने जुलाई 2024 तक विभागों के नियमित खर्च के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की थी। जुलाई से पहले सरकार को पूर्ण बजट पेश करना होगा। विधायकों को भी प्रश्न पूछने के लिए कम से कम 25 दिन का समय देना होता है। इस वजह से सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई है।

## सिंगल कॉलम

### इंदौर; महू - राऊ ट्रैक पर हुआ130 किमी की रफ्तार से दौड़े 8 डिब्बे

*इंदौर। इंदौर के डॉ. अंबेडकर नगर महू स्टेशन से लेकर राऊ के बीच 9.5 किमी में दोहरीकरण का कार्य पूरा हो गया है। गुरुवार को रुट का सीआरएस इंस्पेक्शन किया गया। इसकी शुरूआत सुबह 9 बजे से हुई। शाम में ट्रैक पर 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से निरीक्षण यान चलाकर स्पीड ट्रायल किया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पूरे ट्रैक पर सीआरएस इंस्पेक्शन किया जा रहा है। 1 जून से इन ट्रैक पर सभी ट्रेन फिर से शुरू की जाएगी। वहीं राऊ से महू के बीच में अधिकारियों ने नए ट्रैक का मोटर ट्राली से इंस्पेक्शन भी किया। यह इंस्पेक्शन का कार्य देर शाम तक चला। रेलवे अधिकारियों ने डॉ अंबेडकर नगर महू रेलवे स्टेशन से शाम 7.15 बजे नए ट्रैक पर 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से निरीक्षण यान चलाया। इस दौरान दो इंजन के साथ 8 डिब्बे ट्रैक पर चले।*

### देपालुर में डेंगू के तीन मरीज, 22 लोगों के लिए थे सैंपल

*इंदौर। देपालपुर में डेंगू के तीन मरीज मिले हैं। इन तीनों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को मौके पर जाकर छिड़काव कर कई स्थानों से लार्वा को खत्म किया। मामला देपालपुर के गांव सगड़ोद का है। दरअसल पिछले हफ्ते यहां कई लोग बीमार होने लगे थे। धीरे-धीरे इनकी संख्या 40 से ज्यादा हो गई। सूचना मिलने के बाद डॉक्टरों ने दौरा किया और यहां से 22 लोगों के सैंपल लिए। इनमें से तीन लोग पॉजिटिव पाए गए। इनमें एक 64 वर्षीय बुजुर्ग, एक 27 वर्षीय महिला और 11 वर्षीय बालिका हैं। ये तीनों अलग-अलग परिवारों से हैं। जिला मलेरिया अधिकारी दौलत पटेल ने बताया कि गुरुवार को टीम गांव पहुंची और कई हौज देखे तो उसमें लार्वा था। इस पर हौज खाली करवाए गए। कई स्थानों पर पशुओं के लिए पानी रखा था उसमें भी लार्वा पाया गया। उसे भी नष्ट किया गया। तीनों मरीजों का घर पर इलाज चल रहा है जबकि बाकी लोगों की हालत ठीक है।*

### चार बच्चों के पिता ने खुद को कुंवारा बातकर होम ट्यूटर से बनाए संबंध

*इंदौर। लसूड़िया पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर अनीश खान को गिरफ्तार किया है। उसने एक युवती के जरिए होम ट्यूटर से दोस्ती की और खुद को कुंवारा बताकर शारीरिक संबंध बना लिए। पीड़िता का आरोप है कि अनीश ने यह भी नहीं बताया कि वह मुस्लिम है। पुलिस ने आरोपित को जेल भेज दिया है। उसने ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। एसआइ खुशबू परमार के मुताबिक मूलत: उज्जैन निवासी महिला हीरानगर क्षेत्र में रहती थी। पति से तलाक होने के कारण होम ट्यूटर का जाब करने लगी थी। करीब एक साल पूर्व एक युवती के माध्यम से अनीश अमरदीन निवासी इंदौर कृष्णबाग कालोनी से परिचय हुआ और दोनों एक दूसरे से बातचीत करने लगे। अनीश ने खुद को कुंवारा बताया और कहा कि वह उससे प्रेम करता है। आरोपित ने महिला को लसूड़िया थाना क्षेत्र में किराये से रूम दिलवाया और उसके पास आने जाने लगा। उसने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बना लिए। कुछ समय पूर्व पता चला कि अनीश शादीशुदा है और उसके चार बच्चे हैं। पीड़िता ने परिचित से मदद मांगी और मंगलवार को अनीश के विरुद्ध केस दर्ज करवा दिया। उसने पुलिस को बताया कि अनीश ने मुस्लिम होने की बात भी छुपाई थी। हालांकि पुलिस ने दुष्कर्म की धाराएं लगाई हैं। एसआइ के मुताबिक पांचवीं तक पढ़ा अनीश आनलाइन ट्रेडिंग का काम करता है। उधर, तेजाजीनगर पुलिस ने 24 वर्षीय युवती की शिकायत पर उसके परिचित विनय राठौर के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। मूलत: खंडवा निवासी पीड़िता लिंबोदी क्षेत्र में रहती है। आरोपित ने उससे दोस्ती की और शारीरिक संबंध बना लिए। पीड़िता परेशान होकर आजादनगर क्षेत्र में रहने गई पर आरोपित वहां भी आ गया। तीन महीने पूर्व गर्भवती होने पर आरोपित ने गर्भपात भी करवाया था।*

### एयरपॉड और मोबाइल चार्जर में छुपाकर लाया सोना

*इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट पर शारजाह से आ रहे एक पैसेंजर के पास तस्करी कर लाया गया सोना बरामद हुआ। जानकारी के मुताबिक शारजाह से आई एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर क256 से इदौर आए मोहम्मद आरिफ गामा शेख पर कस्टम विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने यात्री से 80.29 ग्राम सोना और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। वह मुंबई का निवासी है। कस्टम अधिकारियों के अनुसार वह एयरपॉड और मोबाइल के चार्जर के अंदर सोना छुपाकर लाया था। गोपनीय सूचना और संदेह के आधार पर कस्टम अधिकारियों ने यात्री को इंदौर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद रोका और जांच की। उसके पास से विदेश में बना एक लैपटाप और दो आइफोन भी बरामद हुए। पैसेंजर ने अपने मोबाइल चार्जर और एयरपाड के भीतर सोना छुपाया था सोने को अधिकारियों की नजरों से बचाने के लिए उस पर रेडियम की पॉलिश की गई थी।*

# आज इंदौर गौरव दिवस के रूप में मनेगी देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती

**सिटी चीफ इंदौर।**

देवी अहिल्या की 300वीं जयंती को इंदौर शहर गौरव दिवस के रूप में मना रहा है। बीते दो दिन से शहर में अनेक आयोजन इस उपलक्ष्य में हो रहे हैं। शुक्रवार को सुबह अहिल्या प्रतिमा पर सुमधुर लहरियों के बीच माल्यार्पण किया जाएगा। इसके अलावा अभय प्रशाल में भी एक बड़ा आयोजन होगा। शहर के पुरात्व महत्व के स्थानों पर भी रंगारंग रोशनी की गई है।

गौरव दिवस के मौके पर गुरुवार को इंदौर के परस्पर नगर में सुनील मतकर द्वारा निर्देशित अहिल्या मां पर आधारित नाटक की प्रस्तुती दी गई। जिसे काफी सराहा गया। यूथ होस्टल से जुड़े सदस्यों ने महेश्वर में नाइट वॉक की और देवी अहिल्या की राजधानी रहे महेश्वर किले का महत्व समझा। यूथ होस्टल के प्रदेशाध्यक्ष अशोक गोलाने ने बताया कि देवी अहिल्या को महेश्वर का किला काफी पसंद था। उन्होंने यहीं से मालवा का शासन चलाया। सदस्यों ने रात को सहस्त्रधारा नदी तक नाइट ट्रैकिंग भी की। गुरुवार को राजवाड़ा के गणेश हॉल में कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। निमाड़ नृत्य, गणगौर नृत्य के अलावा देवी अहिल्या पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई।

**कलाकारों द्वारा कलांजलि प्रस्तुत की गई**

इंदौर की आराध्य देवी, सुशासन की प्रतिमूर्ति, न्यायमूर्ति, लोकमाता, पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती देश भर में धूमधाम से मनाई जा रही है, इसी क्रम में इंदौर नगर निगम द्वारा मातुश्री देवी अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी

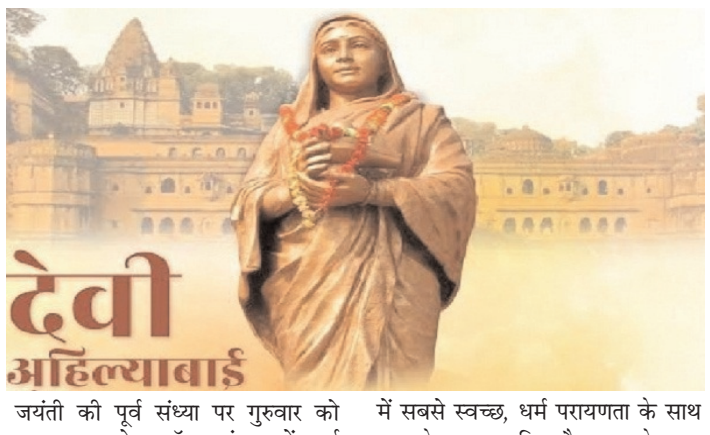


जयंती की पूर्व संध्या पर गुरुवार को राजबाड़ा गणेश हॉल प्रांगण में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, होलकर राजघराने के यशवंत राव होलकर तृतीया, उदयराजे होलकर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला की उपस्थिति में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला का जलवा बिखेर चुके इंदौर के कलाकारों द्वारा कलांजलि प्रस्तुत की गई।

**धर्म और समाज का प्रकाश फैलाया**

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि आज से 300 साल पहले एक ऐसी ज्योति महाराष्ट्र के छोटे से गांव में प्रज्वलित हुई। जिसने इंदौर ही नही बल्कि पूरे भारत वर्ष में अपने कार्यों से धर्म और समाज का प्रकाश फैलाया। हम अहिल्या देवी के कार्यों को याद करते हुए उनके कार्यों को आगे बढ़ाएं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हम अहिल्या नगरी में रहते हैं यही हमारा सौभाग्य है, अहिल्या माता ने जिस तरह से राजपाठ चलाया, वे एक आदर्श के रूप में हमारे सामने है, इतिहास के पन्नो में सबसे स्वच्छ, धर्म परायणता के साथ प्रजा के सुख समृद्धि और न्याय के साथ सबसे उत्कृष्ट राज्य किसी ने चलाया तो वह देवी अहिल्याबाई थी।

**इंदौर को आदर्श शहर के रूप में आगे बढ़ाना है**

महापौर भार्गव ने बताया कि मुझे महापौर के रूप में और हमारी परिषद का यह सौभाग्य है, कि अहिल्या माता की 300वीं जन्मजयंती मानने का अवसर हमारी परिषद को प्राप्त हुआ है। देवी अहिल्या बाई ने कठिन परिस्थितियों में राज्य की बागडोर संभाली और संघर्षों के बावजूद मालवा ही नहीं पूरे भारत वर्षों में विकास कार्यों से धर्म ध्वजा की स्थापना की, उनके संदेश को हम सभी को आगे बढ़ाते हुए, इंदौर को आदर्श शहर के रूप में आगे बढ़ाना है।

**17 समूह के 175 कलाकारों ने दी प्रस्तुति**

विदुषी कल्पना ताई झोकरकर और मंजूषा जौहरी ने बताया कि लोकमाता अहिल्या बाई होलकर के जीवन से जुड़े प्रसंग पर नृत्य, संगीत, वादन और गायन के माध्यम से 17 समूह के 175 कलाकारों ने अपने गुरुओं के साथ मंच पर प्रस्तुति दी। आयोजन की शुरुआत अहिल्या स्तुति के साथ हुई। इसके पश्चात गणेश स्तुति पर गुरु सांभवी तिवारी की टीम ने कथक की प्रस्तुति दी, अहिल्या देवी की शिव स्तुति पर डॉ. प्रियंका वैद्य ने शिव आराधना को दर्शाया, शिव पद्म में समुद्र मंथन का भारत नाट्यम नृत्य के साथ सुंदर चित्रण डॉ आशीष पिल्लई की टीम ने किया। देवी अहिल्या वधु रूप आगमन प्रसंग पर ज्योत्सना सोहनी की टीम ने भारत नाट्यम नृत्य, कुलदेव पूजन मल्हारी मार्तंड पर डॉ मेधा शर्मा ने फोलक, कुलदेवी आराधना पर वैभवी की टीम ने ओडिसी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। अहिल्या माता के मालवा में आगमन और स्वागत पर गणगौर नृत्य के माध्यम से संजय महाजन की टीम ने प्रस्तुत किया। कृष्ण रास में डॉ नेहा कोकरे की टीम ने, राम चरित्रम में अवध के होंगे राजा राम पर गीत पर बालिकाओं ने श्रीराम के चरित्र को नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया। दमयंती भाटिया की टीम ने, नर्मदाष्टक पर सुचित्रा हरमलकर ने नृत्य प्रस्तुतियां दी। देवी अहिल्या पोवाड़ा पर रोहन जगताप, श्रद्धा जगताप, बंदिश तराना पर डॉ पूर्वी नीमगांवकर, ने गायन की प्रस्तुति दी। अहिल्या माता आरती और भारत माता की आरती गायन के माध्यम से और वाद्य वृंद पर स्मिता वाजपाई ने संगीतमय प्रस्तुति दी। मालवी भाषा में भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

**आज होंगे ये आयोजन**

शुक्रवार को अभय प्रशाल में आयोजित समारोह में शंकराचार्य ज्ञानानंद तीर्थ, महामंडलेश्वर किरणदास साबू,आरएसएस के सहकार्यवाह कृष्णगोपाल सहित अन्य वक्ता शामिल होंगे। शहर के गायक गौतम काले भी अपनी प्रस्तुती देंगे। देवी अहिल्या जन्मोत्सव समिति जाल सभागृह में देवी अहिल्या गौरव सम्मान से उद्योगपति विनोद अग्रवाल को सम्मानित करेगी। शुक्रवार को शिवाजी नगर में अहिल्या प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। यह प्रतिमा जयपुर से बनाकर लाई गई है।

**पांच मातृ शक्तियों को लोकमाता अहिल्या शक्तिअवार्ड**

कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट एवं कर्मशील जन जागरुक संस्था द्वारा राजबाड़ा स्थिति मां अहिल्या उद्यान परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मां अहिल्याबाई होलकर की जयंती के उपलक्ष में पांच मातृ शक्ति अलका सैनी, डॉ. मीनाक्षी पारासर, डॉ.अरुणा कुसुमाकर, कल्पना भंडारी, रेणुका चंदेल को समाज सेवा में उत्कृष्ट सेवा के लिए लोकमाता अहिल्या शक्ति अवार्ड महामंडलेश्वर संत दादू महाराज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ रेणु जैन, ट्रैफिक एडीशनल डीसीपी पश्चिम अरविन्द तिवारी के आतिथ्य में शाल श्रीफल एवं प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश मानावत ने बताया कि अतिथि का स्वागत राजेश यादव,मोहित पारीख, ट्रस्ट सचिव आशीष शिन्दे, कुसुम शर्मा, कमला ताई,राजेन्द्र चंदेल, राहुल हरण,शिवनारायण जाधव, इरफान अली ने किया । मां अहिल्या प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर 101 दिपक जला कर रोशन किया। कार्यक्रम का संचालन कंचन मानावत ने किया । अंत में संस्था अध्यक्ष मोनिक मालवीय ने माना।

## हत्याकांड के आरोपित ने व्यापारी को धमकाया

### पकड़ने पहुंचे टीआइ-एसआई से की हुज्जत

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। चर्चित चिंटू हत्याकांड का आरोपित नारू उर्फ नारायण वर्मा बुधवार रात टीआइ और एसआई से भिड़ गया। पुलिस को गाड़ी में बैठाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। गुंडे ने पुलिसवालों की वर्दी पकड़ ली और देख लेने की धमकी दी। बदमाश एक व्यवसायी से दो लाख रुपये की मांग कर रहा था। एडिशनल डीसीपी (जोन-4) आनंद कुमार यादव के मुताबिक, कुख्यात गुंडा नारायण उर्फ नारू वर्मा कुछ दिनों पूर्व ही जेल से छूटा है। उसने जनवरी 2022 में भूपेंद्र उर्फ चिंटू वर्मा की हत्या कर शव ड्रम में डालकर जला दिया था। आरोपित ने बुधवार को फ्लेक्स व्यवसायी शुभम तिलवाड़िया को अहीरखेड़ी में श्मशान के पास रोका और कट्टा अड़ाकर कहा कि मुझे दो लाख रुपये चाहिए। उस वक्त नारू के साथ चीनू उर्फ काला भी मौजूद था। रुपये न देने पर चिंटू की तरह हत्या करने की धमकी दी। चीनू ने चाकू अड़ाया और नारू ने कनपटी पर कट्टा रख

दिया। जैसे ही पुलिस को खबर मिली द्वारकापुरी टीआई अनिल गुप्ता, एसआई आलोक मिठास जवानों को लेकर नारू को ढूंढने जा पहुंचे। रात में ही पुलिस ने नारू को विदुर नगर में घेर लिया। नारू टीआई से हुज्जत करने लगा। जवानों की वर्दी पकड़ ली। नारू के स्वजन भी उलझ गए। काफी मशक्कत के बाद उसे जीप में बैठाया। थाने लाकर उसकी जमकर पिटाई की।

## धान की कमी के कारण महंगा हो गया इंदौरी पोहा

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौरी पोहा पूरे देश में मशहूर है। इंदौर की होटलों में सबसे ज्यादा पोहे बिकते हैं, जबकि कच्चा पोहा का भी इंदौर में बड़ा मार्केट है। इंदौर और उज्जैन का कच्चा पोहा देशभर में बिकने के लिए जाता है। फिलहाल पोहे की डिमांड ज्यादा बढ़ गई है और आपूर्ति कम हो रही है। धान की कमी और गर्मी के कारण कारखानों में पोहे का उत्पादन प्रभावित हो गया है। इससे थोक भाव में पोहा 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल तक भाव बढ़ गए है। होटल रेस्त्रां में अभी पोहे की कीमतों में फिलहाल इसका असर नजर नहीं आ रहा है। इंदौर में पोहे 15 से 20 रुपये प्रति प्लेट तक बिक रहे हैं। इंदौर की थोक सियागंज मंडी में बीते 20 दिनों से पोहे के भाव में इजाफा हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि यह बढ़ोतरी स्थायी नहीं है। धान की कमी कम होने और मानसून आने के बाद फिर भाव कम हो जाएंगे। फिलहाल इंदौर में पोहा 3400 से 3800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बिक रहा है। इन दिनों चावल के दामों में भी उछाल है। इसका असर पोहे पर भी पड़ा है। पोहा चावल से ही बनता है। इंदौर में कालीमूंछ, बासमती चावल में भी 200 से 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है। दरअसल गर्मी में चावल ज्यादा खाया जाता है, जबकि इसका उत्पादन घट जाता है। इंदौर में पोहा सबसे पसंदीदा नाश्ता है। आमतौर पर यह सुबह के समय खाया जाता है। शनिवार और रविवार को पोहे की डिमांड ज्यादा रहती है। इंदौर के होटल रेस्त्रां में हर दिन 4 से 5 टन पोहा बिक जाता है। ज्यादातर होटलों में उज्जैन से पोहा मंगाया जाता है। होटल मालिक कच्चे पोहे का स्टॉक करके रखते हैं। इस कारण अभी तैयार पोहे की कीमत में इजाफा नहीं हुआ है।

## तंबाकू से बढ़ता कैंसर, अस्पतालों में 40 प्रतिशत युवा मरीज पहुंच रहे

**सिटी चीफ इंदौर।**

स्वच्छता में नंबर वन हमारे शहर में धूमपान एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रहा है। बड़ी संख्या में युवा धूमपान की गिरफ्त में हैं। तंबाकू का सेवन अब इतना आम हो गया है कि शहर की जिस सड़क पर हम निकलते हैं, वहां हमें तंबाकू का सेवन करते हुए लोग नजर आ ही जाते हैं। नाबालिगों को तंबाकू से निर्मित सामग्री देने पर प्रतिबंध है, लेकिन शहर के दुकानदार खुलेआम बेच रहे हैं क्योंकि आज तक ऐसे दुकानदारों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यही कारण भी है कि हर वर्ष कैंसर के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि हमारे पास जो मरीज तंबाकू के कैंसर के आते हैं, उनमें 40 प्रतिशत संख्या युवाओं की है। यह सभी के लिए चिंता का विषय है। शासकीय कैंसर अस्पताल के आकड़ों के मुताबिक वर्ष 2020 में कैंसर के 2412 मरीज इलाज के लिए आए थे, यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 3234 हो गई है। निजी अस्पतालों में भी बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, यानी इंदौर में हर वर्ष पांच हजार से ज्यादा कैंसर के नए मरीज मिल रहे हैं। तंबाकू सेहत के लिए हानिकारक है! यह चेतावनी जगह-जगह लिखी होने के बाद भी लोग तंबाकू का व्यापक रूप से इस्तेमाल करते हैं। शहर में हर वर्ष प्रशासन और कई सामाजिक संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाती हैं, लेकिन इसके बावजूद इसका सार्थक परिणाम सामने नहीं आता है। हर वर्ष इसका सेवन करने वालों की संख्या बढ़ रही है। खासकर युवतियां भी अब इसकी गिरफ्त में आ गई है। जबकि इसके दुष्परिणाम महिलाओं में गर्भवती होने में भी समस्या पैदा करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक तंबाकू से जो भी बीमारियां सामने आ रही हैं, उनमें सबसे ज्यादा कैंसर है। इनमें भी पहले नंबर पर ओरल कैंसर है। इसके बाद लंग कैंसर, खाने की नली का कैंसर, पेट का कैंसर, ब्लड कैंसर शामिल हैं। कई मरीजों में तंबाकू की वजह से दमा, अंधापन, कोरोनरी हार्ट डिजीज जैसी बीमारियां भी हो रही हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के कैंसर और तंबाकू नियंत्रण समिति के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. दिलीप आचार्य ने बताया कि तंबाकू के धुएं में सात हजार से अधिक जहरीले रसायन होते हैं। औसतन धूमपान करने से एक व्यक्ति के जीवन के 10 वर्ष कम हो जाते हैं।

## कॉन्फ्रेंस के नाम पर तीन डॉक्टरों ने रुपये एकत्र कर किया गबन

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर में नाक-कान गले से जुड़ी एक कॉन्फ्रेंस के नाम पर तीन डॉक्टरों ने रुपये कलेक्ट किए, लेकिन कॉन्फ्रेंस में उतना खर्च नहीं किया। एकत्र की गई राशि में हुए गबन की शिकायत दो डॉक्टरों ने की थी। मामला कोर्ट तक भी पहुंचा। कोर्ट के आदेश के बाद तीन डॉक्टरों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

फरियादी प्रकाश तारे और डॉ. राहिल निदान भी नाक-कान-गला विशेषज्ञ हैं। उन्होंने भी कॉन्फ्रेंस में भाग लिया था, लेकिन उन्हें पता चला कि कॉन्फ्रेंस के लिए डॉक्टरों से राशि ली गई, लेकिन उतनी खर्च नहीं की गई। फरियादी डॉक्टरों ने पहले आयोजनकर्ता डॉक्टरों से इसकी शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट ने प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके बाद तिलक नगर पुलिस ने डॉ. शैलेद्र ओहरी, डॉ.विशाल मुंजाल औ डॉ. संजय अग्रवाल के खिलाफ धारा 420 व 406 के तहत केस दर्ज किया है।

फरियादी ने पुलिस को बताया कि छह साल पहले एक संस्था ने इंदौर में कॉन्फ्रेंस कराई थी। आरोपी तीनों डॉक्टर उसके पदाधिकारी थे। संस्था के अलावा पदाधिकारियों ने अपने निजी अकाउंटों में भी राशि संस्था के खाते से डलवाई। हिसाब

मांगने पर इस गबन का पता संस्था के सदस्यों को चला। कॉन्फ्रेंस के लिए छह करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि एकत्र हुई थी। तीनों डॉक्टरों पर दो करोड़ रुपये से ज्यादा के गबन का आरोप हैं।

**6 करोड़ 17 लाख रुपए इकट्ठा हुए**

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ लैरिंगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया संस्था के इंदौर ब्रांच के तत्कालीन सचिव डॉ राहिल निधान ने बताया कि हमने कोर्ट में 6 महीने पहले शिकायत की थी। कोर्ट ने संबंधितों पर केस दर्ज करने के निर्देश दिए थे। 2018 में इंदौर में कांफ्रेंस में स्पॉन्सरशिप और सदस्यों के माध्यम से करीब 6 करोड़ 17 लाख रुपए इकट्ठा हुए। 3 करोड़ 44 लाख रु. का खर्च बताया गया। इनमें से 2 करोड़ 71 लाख रुपए गबन का आरोप लगाया गया है।

**मेडिकल कंपनियों ने भी लिया हिस्सा**

इस कान्फ्रेंस को राष्ट्रीय स्तर पर सफल बनाने का दावा किया गया था। ऐसे में कई मेडिकल कंपनियों ने विज्ञापन किए और पार्टनर भी बने। एक अकांउट एमवाय कैम्पस इंदौर की ब्रांच में खुलवाया गया था। इसके बाद दो अन्य अकांउट एचडीएफसी बैंक और कोटक महिन्द्रा में खुलवाए। जिनके बारे में जानकारी छुपाई गई थी। पहले अकांउट से पेमेंट को इन लोगों ने नए दोनों अकांउट में ट्रांसफर करवाया और फायदा उठाया। मामला सामने आने के बाद डॉक्टरों ने शिकायत की और कोर्ट में परिवाद दायर किया गया था। अब छह साल बाद मामला दर्ज हुआ है।

# फर्जी दस्तावेजों से मान्यता लेने वाले छह कॉलेजों पर एफआईआर के बाद एसटीएफ ने बनाए जांच दल

**सिटी चीफ भोपाल।**

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बीएड व डीएड पाठ्यक्रम की मान्यता लेने वाले कॉलेजों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के बाद अब मप्र स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने प्रत्येक कालेज की जांच के लिए एक टीम बना दी है। टीम कालेजों से दस्तावेज लेकर जांच करेगी और कालेज संचालकों से पूछताछ की जाएगी। बाद में विशेषज्ञों का दल बनाकर भी दस्तावेजों का परीक्षण कराया जाएगा। इससे साफ होगा गड़बड़ी किस स्तर पर हुई है। कितने दस्तावेज फर्जी लगाए गए हैं। एसटीएफ को किसी ने शिकायत की थी कि कुछ कॉलेजों ने नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) और जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर को कूटरचित दस्तावेज दिखाकर

मान्यता ले ली है। प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने पर एसटीएफ ने इस मामले में मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की थी। जिन कालेजों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है उनमें अंजुमन कॉलेज आफ एजुकेशन सेवढ़ा (दतिया), प्राशी कॉलेज ऑफ एजुकेशन मुंगावली (अशोकनगर), सिटी पब्लिक कॉलेज, शाडौरा (अशोकनगर), मां सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, वीरपुर(श्योपुर), प्रताप कॉलेज ऑफ एजुकेशन बड़ौदा (श्योपुर) और आइडियल कॉलेज, बरौआ (ग्वालियर) के संचालक शामिल हैं। एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि कॉलेजों ने मान्यता के लिए कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया था। इस कारण उनके विरुद्ध धोखाधड़ी से एवं आपराधिक षड्यंत्र में संलिप्त होने का प्रकरण कायम किया गया है। एसटीएफ इकाई ग्वालियर में की गई शिकायत के आधार पर जांच प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसटीएफ पंकज श्रीवास्तव ने जांच टीम को मामले का बारीकी से परीक्षण के लिए कहा है। पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ग्वालियर राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि उप पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ग्वालियर संजीव तिवारी के नेतृत्व में गठित दल ने पूरे मामले की जांच की है।

# आरजीपीवी घोटाले में ईडी ने शुरू की जांच, विश्वविद्यालय से मांगे दस्तावेज

**सिटी चीफ भोपाल।**

शहर में स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में हुए 19.48 करोड़ के एफडी घोटाले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी ने विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार के कार्यकाल के बैंक खातों की जानकारी यूनिवर्सिटी से मांगी है। ईडी ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय को भेजे पत्र में यहां वित्त शाखा में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की पूरी जानकारी देने के लिए भी कहा है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि विश्वविद्यालय के खातों में जमा यह रकम निजी खातों में ट्रांसफर करने के साथ और किस-किस तरह की गड़बड़ियां की गईं।

बता दें कि कुलपति व अन्य

अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के खातों में जमा 19.48 करोड़ रुपये की राशि अपने निजी खातों में ट्रांसफर कर ली थी। विश्वविद्यालय की ओर से पूरी जानकारी सोमवार को ईडी को तय फार्मेट में उपलब्ध कराई जाएगी। बता दें कि इस मामले में तत्कालीन कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्त नियंत्रक सहित आठ लोगों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज हुई थी। मामले में कुलपति से इस्तीफा ले लिया गया था। तत्कालीन कुलपति समेत कुछ अन्य लोगों की गिरफ्तारियां इस मामले में अब तक हो चुकी हैं।

# नाबालिग पर जानलेवा हमला करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, गांजा तस्करी की फिराक में घूम रहे थे

**सिटी चीफ भोपाल।**

ऐशबाग पुलिस ने 17 साल के किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले बदमाश शरीफ ब'चा और एक अन्य बदमाश आमिर मुर्गी को गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों गांजा तस्करी की फिराक में घूम रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से एक किलो ×00 ग्राम गांजा भी बरामद किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 29 मई को मुखबिर की सूचना पर गुरुनानकपुरा बिजली की डीपी के पास ऐशबाग से

स्कूटर सवार दो लड़कों को घेराबंदी कर दबोचा। तलाशी में उनके पास से एक किलो ×00 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला। उनकी पहचान आमिर उर्फ मुर्गी (28) निवासी छोटा चंबल सुदामा नगर ऐशबाग व शरीफ कुरैशी उर्फ ब'चा (×4) निवासी चांदबड़ स्टेशन बजरिया बताए गए हैं।

**दोनों आदतन अपराधी**

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उक्त मादक पदार्थ भारत टाकीज पुलिया के नीचे किसी अज्ञात व्यक्ति से खरीदकर बेचने के लिए लाए थे। आमिर मुर्गी ऐशबाग थाने का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ 2× अपराध दर्ज हैं, जबकि शरीफ ब'चा के खिलाफ 21 अपराध हैं। आमिर मुर्गी अशोका गार्डन तथा शरीफ ब'चा स्टेशन बजरिया के अपराधों में फरार थे। अशोका गार्डन में जानलेवा हमले के मामले में आमिर मुर्गी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित है।

# मृत व्यक्ति का शुक्राणु भी दे सकता है नया जीवन, एम्स भोपाल में हुआ शोध

**सिटी चीफ भोपाल।**

एम्स भोपाल में हुए शोध में यह बात पता चली है कि मृत व्यक्ति के शरीर से अगर शुक्राणु (स्पर्म) निकाल लिया जाए तो वह साढ़े उन्नीस घंटों तक जीवित रह सकता है। इससे कोई महिला मां भी बन सकती है।एम्स भोपाल के फोरेंसिक मेडिसिन और टाक्सिकोलाजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ व उनकी टीम ने पोस्टमार्टम शुक्राणु पुनर्प्राप्ति पर अध्ययन किया है। इसमें 125 मृत व्यक्तियों के शरीर से शुक्राणु निकाला गया और उन्हें स्टोर किया गया। इसमें 47.22 प्रतिशत लोगों के शुक्राणु जिंदा पाए गए। डॉ. राघवेंद्र कुमार ने बताया कि मृत व्यक्तियों पर इस प्रकार का शोध देश में पहली बार एम्स भोपाल में किया गया है। इस शोध को ग्रीस के एथेंस में आयोजित 26वें त्रिवार्षिक इंटरनेशनल एकेडमी आफ लीगल मेडिसिन सम्मेलन में शामिल किया गया। डॉ. कुमार ने बताया कि यह शोध 2022 में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान

परिषद नई दिल्ली से वित्त पोषण के साथ शुरू किया गया था, जिसमें विशेष रूप से 47.22 प्रतिशत मामलों में जीवित शुक्राणु प्राप्त किए गए, जो आइवीएफ प्रक्रियाओं में उपयोग किए जा सकते हैं। इस नई पद्धति के पेटेंट के लिए आइसीएमआर को आवेदन भेजा जा चुका है और शीघ्र ही पेटेंट मिलने की संभावना भी है।

## 30 प्रतिशत से कम परिणाम देने वाले अतिथि

# शिक्षक सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ा पाएंगे

**सिटी चीफ भोपाल।**

मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम में 30 प्रतिशत से कम परिणाम देने वाले स्कूलों के शिक्षकों पर कार्रवाई की तैयारी चल रही है। इससे पहले 2022 में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने 30 प्रतिशत से कम परिणाम देने वाले नियमित शिक्षकों की परीक्षा आयोजित कराई थी। इसी को देखते हुए कई जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी (डीइओ) ने कार्रवाई शुरू कर दिया है।इनमें कुछ जिलों में अतिथि शिक्षकों को भी नहीं पढ़ाने के आदेश जारी किए जा रहे हैं। रायसेन, दमोह सहित अन्य जिलों के डीईओ ने आदेश जारी किए थे। स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लगभग 72 हजार से ज्यादा पद खाली हैं। इन पदों पर हर साल अतिथि शिक्षकों की सेवाएं ली जाती हैं। इनमें कुछ जिलों में

अतिथि शिक्षकों को भी नहीं पढ़ाने के आदेश जारी किए जा रहे हैं। रायसेन, दमोह सहित अन्य जिलों के डीईओ ने आदेश जारी किए थे। स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लगभग 72 हजार से ज्यादा पद खाली हैं। इन पदों पर हर साल अतिथि शिक्षकों की सेवाएं ली जाती हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने तीस फीसदी से कम रिजल्ट देने वाले अतिथि शिक्षकों की जिम्मेदारी तय करते हुए उन्हें किसी भी स्कूलों में दोबारा मौका नहीं दिए जाने का फैसला लिया है। साथ ही 30 प्रतिशत से कम परिणाम देने वाले नियमित शिक्षकों पर भी विभाग कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

# फायर प्लान न देने वाले भवन स्वामियों से 500 से एक हजार रुपये प्रतिदिन वसूला जाएगा अर्थदंड

**सिटी चीफ भोपाल।**

मध्य प्रदेश के ऐसे भवन स्वामी या संचालक जिन्होंने फायर प्लान नहीं दिया है उनसे अब 500 से एक हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अर्थदंड वसूला जाएगा। राज्य सरकार ने प्रदेश में जारी किए जा रहे फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश में अस्पतालों और शासकीय भवनों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के चलते नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 16 दिसंबर 2022 को भूमि विकास नियम 2012 में नई व्यवस्था कर फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र देने का प्रविधान किया था। इसके तहत भवन स्वामी या संचालक को अग्निशमन प्राधिकारी के समक्ष फायर प्लान तैयार कर प्रस्तुत करना होता है, लेकिन शासन के संज्ञान में आया है कि पिछले दो

साल से अधिकांश भवन स्वामियों द्वारा फायर प्लान प्रस्तुत ही नहीं किया। इस बीच सतपुड़ा और वल्लभ भवन में आग लगने की घटनाएं हो गई। अस्पतालों में भी आग से जनहानि हो चुकी है। इसे देखते हुए आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव ने कलेक्टरों को पत्र लिखकर 16 दिसंबर 2022 में किए गए प्रविधानों स्मरण कराते हुए फायर प्लान न देन वाले भवन स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ताजा निर्देश के अनुसार 16 दिसंबर 2022 के बाद दो माह अर्थात 16 फरवरी 2023 से 15 फरवरी 2024 तक ऐसे भवन स्वामियों से एक साल की समयावधि तक प्रतिदिन 500 रुपये इस हिसाब से एक लाख 82 हजार 500 रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। वहीं एक साल पूरे होने पर 16 फरवरी 2024 से 29 मई 2024 तक दो गुना अर्थदंड यानी एक हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से एक लाख चार हजार रुपये वसूले जाएंगे। इस तरह कुल दो लाख 86 हजार 500 रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। फायर प्लान तैयार कर अग्निशमन प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं करने वाले भवन स्वामियों व संचालकों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी और सात दिन के भीतर की गई कार्रवाई से नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय को अवगत भी कराना होगा।

## अगर बोरवेल खुला छोड़ा तो आपकी खैर नही

# कड़े कानून को लाने की तैयारी मानसून सत्र में होगा पेश

**सिटी चीफ भोपाल।**

आमतौर पर बोरवेल से पानी नहीं निकलने पर उसे खुला ही छोड़ दिया जाता है। खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। बोरवेल खुला छोड़ने और बच्चों के गिरने की हालिया घटनाओं को देखते हुए पहली बार मध्य प्रदेश में कड़ा कानून बनाया जा रहा है। इसे जुलाई में होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत करने की तैयारी है। इसमें खुला बोरवेल छोड़ने पर भूमि स्वामी पर अर्थदंड लगाने का प्रविधान होगा। जनहानि की स्थिति में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाएगा। साथ ही, बोरिंग करने वाली एजेंसी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। ताकि बोरवेल असफल हो तो वह उसे अनिवार्य रूप से बंद करे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने विधेयक का प्रारूप तैयार कर लिया है।

**कैबिनेट की अनुमति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा**

इसे वरिष्ठ सचिव समिति की हरी झंडी मिलते ही कैबिनेट की अनुमति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश में असफल बोरवेल

को बंद नहीं करने के कारण कई बच्चों के गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। घंटों राहत कार्य चलाने के बावजूद कई प्रकरणों में बच्चों की जान चली गई। शिवराज सरकार में तत्कालीन गृह मंत्री डा.नरोत्तम मिश्रा ने जून 2022 में ओरछा के नारायणपुरा में बोरवेल में चार वर्ष के दीपेंद्र के गिरने की घटना के बाद खुले बोरवेल को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद कई घटनाएं हो गईं पर कानून नहीं बन पाया। जबकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट प्रविधान करने के निर्देश दिए थे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने दिशानिर्देश जारी किए पर इनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ। अभी दंड प्रक्रिया संहिता में जो प्रविधान हैं, उनके अनुसार कार्रवाई की जाती है। खुले बोरवेल को बंद न करने और किसी के उसमें गिरने पर कार्रवाई का कोई प्रविधान नहीं है। इसके लिए पहली बार कानून बनाया जा रहा है। इसमें खुला बोरवेल छोड़ने पर भूमि स्वामी पर अर्थदंड और जनहानि होने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का प्रविधान प्रस्तावित किया जा रहा है। प्रयास होगा कि विधानसभा के मानसून सत्र में विधेयक प्रस्तुत कर दिया जाएगा। पी नरहिर, सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी।

# नर्सिंग कॉलेज इंस्पेक्शन में गड़बड़ी, 14 तहसीलदार व नायब तहसीलदार को नोटिस

**सिटी चीफ भोपाल।**

नर्सिंग कॉलेजों की जांच में हुए फर्जीवाड़े में अब राजस्व अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू की गई है। उस दौरान अलग-अलग जिलों में पदस्थ रहे तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। उनसे पूछा गया है कि आपने जांच में जिस कालेज को निर्धारित मापदंडों के अनुसार बताया, वे सीबीआइ जांच में अनफिट कैसे हो गए। इसके पहले जांच दल में सदस्य के रूप में शामिल मेडिकल कालेजों के सहायक प्राध्यापक और नर्सिंग अधिकारी मिलाकर 111 को नोटिस थमाया गया था। उधर, मुख्यमंत्री के निर्देश पर सीबीआइ द्वारा अनुपयुक्त बताए गए कॉलेजों को बंद कराने का काम जारी है। 33 कॉलेज बंद कराए जा चुके हैं। प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज श्रीवास्तव ने बताया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन मध्यप्रदेश नर्सिंग शिक्षण संस्थाओं को मान्यता प्रदान करने के संदर्भ में गठित निरीक्षण दल के सदस्य के रूप में त्रुटिपूर्ण निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले 14 अधिकारियों को यह नोटिस दिए गए हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर राजस्व विभाग ने उन्हें नोटिस दिया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिन्हें नोटिस दिया गया है उनमें पल्लवी पौराणिक तत्कालीन तहसीलदार इंदौर, अंकिता यदुवंशी, तत्कालीन नायब तहसीलदार विदिशा, ज्योति ढोके तत्कालीन नायब तहसीलदार नर्मदापुरम, रानू माल नायब तहसीलदार अलीराजपुर, अनिल बघेल नायब

तहसीलदार झाबुआ, सुभाष कुमार सुनेरे तत्कालीन नायब तहसीलदार देवास, जगदीश बिलगावे नायब तहसीलदार जिला बुरहानपुर, यतीश शुक्ला नायब तहसीलदार रीवा, छवि पंत तत्कालीन नायब तहसीलदार छिंदवाड़ा, सतेन्द्र सिंह गुर्जर तत्कालीन नायब तहसीलदार जिला धार, रामलाल पगोर नायब तहसीलदार बुरहानपुर, जीतेंद्र सोलंकी तत्कालीन नायब तहसीलदार झाबुआ, अतुल शर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार सीहोर एवं कृष्णा पटेल तत्कालीन नायब तहसीलदार खरगोन के नाम शामिल हैं। जल्द ही कुछ और राजस्व अधिकारियों को नोटिस जारी हो सकता है। नर्सिंग कॉलेजों से रिश्वत लेने-देने के आरोप में गिरफ्तार सीबीआइ निरीक्षक राहुल राज (अब बर्खास्त) सहित चार आरोपितों को सीबीआइ ने फिर एक मई तक के लिए बुधवार को हिरासत में लिया है। सीबीआइ के एक अधिकारी ने बताया कि काल डिटेल रिकार्ड और आरोपितों के पास जब्त डिवाइसों के आधार पर अगले तीन दिन तक पूछताछ की जाएगी। इसमें कुछ अहम जानकारी भी सामने आ सकती है। बता दें कि नर्सिंग कॉलेजों से रिश्वत लेने के मामले में राहुल राज कर्ताधर्ता था। बाकी तीन आरोपित भी अन्य कॉलेजों के लिए दलाली का काम करते थे।

## साम्पदकीय

### हजारों मेडिकल छात्रों को कोर्स या दुनिया छोड़ने की नौबत क्यों आ रही?

मेडिकल छात्रों की आत्महत्या हमारे देश में मामूली बात है। तमाम समस्याओं के बीच इस पर ध्यान देने की फुरसत किसी को नहीं। यही कारण है कि देहरादून में शिशुरोग के पीजी मेडिकल छात्र डॉ. दिवेश गर्ग की आत्महत्या भी महज एक संख्या बनकर रह गई।

पलवल (हरियाणा) के एक मध्यवर्गीय परिवार ने जिंदगी भर की कमाई दांव पर लगाकर, 38 लाख रुपये देकर बेटे का एडमिशन कराया था। पूरे कोर्स पर लगभग 1.20 करोड़ का खर्च आता। लेकिन 17 मई की रात उसने कॉलेज के होस्टल में आत्महत्या कर ली। चार बहनों का इकलौता भाई था। शोकाकुल पिता कहते हैं- क्या कहें भाई, हमारी तो जिंदगी ही लुट गई।नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने आरटीआई के तहत डॉ. विवेक पांडेय को चौंकाने वाली सूचना दी थी। वर्ष 2018 से 2022 के बीच देश में कुल 122 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या कर ली। इनमें एमबीबीएस के 64 तथा पीजी के 58 छात्र शामिल थे। वर्ष 2023 और 2024 में भी यह सिलसिला जारी है। अनुमान है कि डॉ. दिवेश गर्ग की संख्या एक सौ पचासवीं होगी। यह संख्या कुछ कम या अधिक हो सकती है।

मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चों का एमबीबीएस कर लेना एक बड़ा सपना होता है। इसके बाद पीजी में बेहद कम सीटें होने के कारण एडमिशन काफी मुश्किल समझा जाता है। लेकिन वर्ष 2018 से 2022 के बीच 1270 मेडिकल छात्रों ने पढ़ाई छोड़ दी। इसमें पीजी छात्रों की संख्या 1117 है। यह बेहद चिंताजनक आंकड़ा है। ऐसे छात्रों के सामने दुनिया छोड़ देने अथवा पढ़ाई छोड़ देने के बीच विकल्प चुनने की नौबत थी। जिस मुकाम तक पहुंचने के लिए लाखों युवक तरसते हैं, वहां पहुंचने के बाद जिंदगी और मौत का यह संकट पैदा होना अमृतकाल से गुजर रहे देश के लिए कतई चिंता का विषय नहीं दिखता।डॉ. दिवेश गर्ग के पिता रमेशचंद्र गर्ग ने पुलिस को दिए आवेदन में एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुछ प्रोफेसर्स द्वारा मानसिक प्रताड़ना के कारण आत्महत्या की बात लिखी है। डॉ. दिवेश को 104 डिग्री बुखार होने के बावजूद लगातार 36 घंटे काम कराया गया और सोने नहीं दिया गया। उसकी थिसिस को बार-बार रिजेक्ट किया गया। मरीजों तथा छात्रों के सामने गालियाँ देकर अपमानित किया गया।चर्चा है कि डॉ. दिवेश गर्ग की आत्महत्या वाले दिन ही एक अन्य छात्रा ने भी खुदकुशी का प्रयास किया। लेकिन उसे बचा लिया गया। डॉ. दिवेश जैसी परिस्थितियों से स्टूडेंट्स भी गुजर रहे हैं। लिहाजा, स्टूडेंट्स विरोध में उतर आए। जवाब में प्रबंधन ने अभिभावकों को ई-मेल भेजकर डराया। निचली अदालत से फौरन एक आदेश भी ले आया कि कोई आंदोलन नहीं करेगा। देश के जिन सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया में कुछ लिखा, उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए डीजीपी को पत्र भेज दिया गया। इससे समझा जा सकता है कि देश के हजारों मेडिकल छात्रों को कोर्स या दुनिया छोड़ने की नौबत क्यों आ रही है। मेडिकल शिक्षा में दबंगई पर किसी को शोध करना हो, तो यहां से शुरुआत की जा सकती है।देश में मेडिकल शिक्षा का नियंत्रण 'नेशनल मेडिकल कमीशन' (एनएमसी) करता है। यह भी मेडिकल कॉलेजों में आत्महत्याओं से वाकिफ है। लिहाजा, मई 2024 में एनएमसी ने मेडिकल स्टूडेंट्स के मानसिक स्वास्थ्य पर एक ऑनलाइन सर्वेक्षण कराया। मात्र दस दिनों के भीतर 37667 स्टूडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों ने इसमें भागीदारी करके स्थिति की भयावहता सामने ला दी है।इस सर्वेक्षण के नतीजे अब तक नहीं आए हैं। लेकिन नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर एक पीजी स्टूडेंट ने कहा कि यह सर्वेक्षण हमारी असल समस्याओं के बदले पारिवारिक वातावरण और अपने परिजनों से मिलने वाले सहयोग पर ज्यादा केंद्रित है। संभव है कि इसकी अनुशंसाओं में स्टूडेंट्स को योगा और मेडिटेशन करने तथा परिस्थितियों का सामना करने संबंधी उपदेश दिया जाएगा। घरवालों को कुछ टिप्स दिए जाएंगे। जबकि असल समस्या मेडिकल कॉलेजों का विषाक्त माहौल है। लगातार काम का दबाव, स्टाइपेंड के भुगतान में धांधली, तरह-तरह से पैसों की वसूली, सपोर्ट स्टाफ की कमी, प्रोफेसर्स की मनमानी जैसे विषयों पर सर्वेक्षण में गंभीरता नहीं देखने को मिली है।

खासकर पीजी स्टूडेंट्स को बेहद नारकीय स्थिति में रो-रोकर जीवन गुजारने की नौबत आती है। एक स्टूडेंट ने बताया कि 'गायनो' विभाग में एक बार उसकी लगातार पांच दिन की 'कमांडो ड्यूटी' लगी थी। इस दौरान उसे लगातार अस्पताल में ही रहकर वहीं रहना, वहीं खाना और वहीं सोना पड़ा। एनएमसी ने पीजी मेडिकल एडुकेशन रेगुलेशन 2023 बनाया। स्टूडेंट्स को उम्मीद थी भारतीय श्रम कानूनों के अनुसार दैनिक आठ घंटे और साप्ताहिक 48 घंटे कार्यावधि का स्पष्ट नियम बनेगा। लेकिन एनएमसी की नियमावली बिल्कुल अस्पष्ट, मनमानी, शोषणपूर्ण और चौंकाने वाली थी। उसमें लिखा गया- सभी पीजी स्टूडेंट पूर्णकालिक रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में काम करेंगे। वे उचित कार्य घंटों के लिए काम करेंगे। उन्हें एक दिन में आराम के लिए उचित समय प्रदान किया जाएगा।

इसमें काम के अधिकतम घंटों का स्पष्ट निर्धारण नहीं होने के कारण कुछ कॉलेजों में स्टूडेंट्स से औसतन 70 से 90 घंटे तक साप्ताहिक कार्य कराने की शिकायतें मिलती हैं।साप्ताहिक अवकाश का प्रावधान भी अजीब है- कार्य की अत्यावश्यकता के अधीन एक साप्ताहिक अवकाश की अनुमति दी जाएगी। इसमें साप्ताहिक अवकाश को स्टूडेंट्स का अधिकार नहीं बनाया गया है बल्कि प्रबंधन की मेहरबानी पर छोड़ दिया गया है।एक पीजी स्टूडेंट ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि इंटरनेशनल लेबर कन्वेन्शन और भारत के श्रम कानूनों में दैनिक आठ घंटे और साप्ताहिक 48 घंटे का स्पष्ट प्रावधान है। मेडिकल स्टूडेंट्स के मामले में यह लागू क्यों नहीं होता। क्या सुप्रीम कोर्ट इसका स्वत: संज्ञान लेगा?एक अन्य पीजी मेडिकल स्टूडेंट के अनुसार अत्यधिक काम के दबाव पर आधारित प्रशिक्षण का यह तरीका अमेरिका के एक डॉक्टर के प्रयोग पर आधारित है। मेडिकल शिक्षा में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. विलियम स्टीवर्ट हैलस्टेड भोजन और नींद के बगैर लगातार लंबे समय तक काम करते रहते थे। वह अपने साथ काम करने वाले प्रशिक्षु डॉक्टरों को भी अपनी तरह लगातार काम कराते थे। लेकिन उनकी मौत के बाद पता चला कि वह कोकीन और अफीम के आदी थे। इसके प्रभाव में वह लंबे समय तक काम करते थे। क्या भारत के मेडिकल स्टूडेंट्स से भी उसी कोकीन के प्रभाव में काम करने की उम्मीद की जाती है? उस स्टूडेंट ने व्यंग्यपूर्वक पूछा।

रेडियोलॉजी की एक रेजिडेंट डॉक्टर ने कहा कि मेडिकल शिक्षा में दबाव और शोषण की परंपरा को खत्म करने के लिए सरकार को बड़े क़दम उठाने होंगे। 'सास भी कभी बहू थी' वाला सिलसिला बंद करना होगा। जिन लोगों ने पहले ऐसे विषाक्त माहौल को झेला है, वे लोग खुद प्रोफेसर या विभागाध्यक्ष बनने के बाद छात्रों से वैसा ही सलूक करते हैं। जबकि उन्हें तो ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए। गायनो फाइनल इयर की एक स्टूडेंट ने कहा कि कई घंटों तक लगातार काम कराने का महिमामंडन नहीं होना चाहिए। यह गलत धारणा बनी हुई है कि इससे डॉक्टर्स में दबाव सहने की क्षमता बढ़ती है। उसने कहा कि अगर सही तरीके से सर्वेक्षण किया जाए तो पता चलेगा कि ज्यादा काम करने से हमारी क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। इससे मरीजों के संबंध में हमारे गलत फैसलों की भी संभावना होती है।

# अर्थव्यवस्था की मजबूती के संकेत, नए निजाम में स्थिरता से रफ्तार में बढोतरी की उम्मीद

इन दिनों प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और विभिन्न बाजार विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के जो शुभ संकेत उभरकर दिखाई दे रहे हैं, उन्हें चार जून के बाद नई स्थिर सरकार से आर्थिक पंख लग जाएंगे। ऐसे मजबूत आर्थिक परिदृश्य की संभावनाओं के तीन महत्वपूर्ण कारण गिनाए जा रहे हैं। एक भारत के वित्तीय और गैर वित्तीय क्षेत्रों के दमदार बही-खाते। दो रिजर्व बैंक के द्वारा भारत सरकार को दिया गया रिकॉर्ड लाभांश और तीन शेयर बाजार की रिकॉर्ड ऊंचाई।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर 6.8 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने 6.6 प्रतिशत विकास दर रहने का अनुमान व्यक्त किया है। एशियाई विकास आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, विकास दर 7 प्रतिशत रह सकती है। देश के प्रमुख अर्थ विशेषज्ञों का मत है कि जहां पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर सात प्रतिशत से अधिक है, वहीं यह आगामी दशक तक 6.5 से सात प्रतिशत के स्तर पर दिखाई देगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारत में वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.7 फीसदी बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 2023-24 में जीएसटी उचतम स्तर पर रहा है। इसका आकार 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 22 मई को वित्त वर्ष 2023-24 में भारत सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये लाभांश देने की मंजूरी दी है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों के लाभांश से 1.02 लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान लगाया था। ऐसे में 'रिजर्व बैंक द्वारा दिया जाने वाला लाभांश बजट अनुमान की तुलना में 107 फीसदी यादा है। यह एक तरह से सरकार के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 1.09 लाख करोड़ रुपये के अप्रत्याशित लाभ जैसा है। साथ ही पिछले साल के 87,416 करोड़ रुपये लाभांश की तुलना में 142 फीसदी यादा है।

उल्लेखनीय है कि बिमल जालान समिति की सिफारिश के अनुसार,नया आर्थिक पूंजी ढांचा लागू होने के बाद 2018-19 में केंद्रीय बैंक ने सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपये अधिशेष दिया था। जालान समिति ने यह पता लगाया कि रिजर्व बैंक से सरकार को कितना अधिशेष मिलना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई ने आकस्मिक जोखिम बफर बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। जालान समिति ने इसे आरबीआई की बैलेंस शीट के 5.5 से 6.5 फीसदी के दायरे में रखने का प्रस्ताव दिया था। रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को रिकॉर्ड लाभांश दिए जाने के निर्णय और वैश्विक आर्थिक संगठनों व वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियोंद्वारा वर्ष 2024-25 में भारत की ऊंची विकास दर के अनुमानों के बाद भारतीय शेयर बाजार रिकॉर्ड उच स्तर पर पहुंच गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचने के साथ ही भारत इस मुकाम तक पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना काल के बाद भारतीय घरेलू खुदरा निवेशकों की रुचि शेयर बाजार में बढ़ी है।पिछले 10 साल में डीमेट अकाउंट 2.3 करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ हो गए हैं और म्यूचुअल फंड-निवेशकों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले 10 साल में शेयर बाजार कहां से कहां पहुंच गया है, जो सेंसेक्स 25,000 अंकों पर था, वह अब आज 75,000 अंक से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। लाखों छोटे निवेशक आज उत्साहपूर्वक बाजार से जुड़े हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है और वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी भारत के शेयर बाजार पर बढ़ा है। अब ऐसी आर्थिक मजबूती से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि होगी। इससे भारत में कारोबारी माहौल में सुधार होगा। एफडीआई का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विदेशी निवेशक तकनीकी विशेषज्ञता भी लाते हैं। निश्चित रूप से शेयर बाजार के तेजी से बढ़ने और रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश दिए जाने से नई सरकार को व्यय प्रबंधन में खासी मदद मिलेगी।

# बदहाल पाकिस्तान और सांस्कृतिक कूटनीति: कट्टरपंथ के खिलाफ एक नरम विकल्प खोजने की कोशिश

कई दक्षिण एशिया में इस समय ऐसी गर्मी पड़ रही है, मानो लगता है कि हर चीज जल रही है। इस जलवायु परिवर्तन से पहले रावलपिंडी में गर्मी मई के अंत तक सहनीय होती थी और उसके बाद ही असल में गर्मियां शुरू होती थीं और शैक्षणिक संस्थानों को गर्मीकी छुट्टी के लिए बंद कर दिया जाता था। लेकिन इस बार अप्रैल में लगातार बारिश और सर्द वसंत के बावजूद बढ़ते तापमान पर कोई फर्क नहीं पड़ा है।

राजधानी इस्लामाबाद के ऊपर और मुर्री पर्वत के नजदीक मरगल्ला हिल्स के वन क्षेत्रों में गर्मियों की शुरुआत में ही दो बार भीषण आग लग चुकी है। मेरे बगीचे पर नजर डालने पर पता चलता है कि पानी देने के बावजूद सब कुछ मुरझा रहा है। गुलाब जैसे यादातर फूल खिलने से पहले ही सूख रहे हैं। यहां तक कि गर्मियों का फूल गार्डेनिया, (जो आकार में छोटे होते हैं), भी इस भीषण गर्मी को सहन नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान के दक्षिणी इलाकों, जैसे बलूचिस्तान में भयंकर सूखे के बावजूद गर्मी सहनीय है।

यहीं पर हम बहुत से स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकों को धार्मिक पर्यटन पर पहुंचते देखते हैं, क्योंकि हिंदू समुदाय के लोग हिंगलाजयात्रा के लिए आते हैं। यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि अनुष्ठान है, जिसमें हिंदू हमारे सूफी कवि अब्दुल लतीफ भिट्टाई के समय से भाग लेते रहे हैं, जिन्होंने अपनी कविता में इसका उल्लेख किया है। पाकिस्तान के वे इलाके, जहां अब भी हिंदू शांतिपूर्वक रहते हैं, वे हैं मीरपुर खास, बादिन, संघर, उमरकोट, हैदराबाद, घोटकी और कराची। कवयित्री फहमिदा रियाज कहती हैं कि इनमें यादातर गरीब तबके के किसान-मजदूर हैं।दक्षिण एशिया में इतनी यादा मजहबी असहिष्णुता के बीच यह वाकई सराहनीय है कि चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान के हिंदू समुदाय अब भी सिंध से लंबी सड़क यात्रा करके बलूचिस्तान के पहाड़ों तक पहुंचते हैं। हाल ही में कराची की मुस्लिम नारीवादी कवयित्री फहमिदा रियाज ने हिंगलाज की यात्रा की। वह कराची से आरसीडी राजमार्ग से होकर यात्रा कर रही थीं और उन्होंने बसों एवं अन्य वाहनों से पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्गों और बचों को यात्रा करते हुए देखा। फहमिदा रियाज कहती हैं, वाहनों में बैठे लोगों के हाथों में लाल और भगवा झंडेथे और उनके बाजुओं पर लाल एवं पीली पट्टियां बंधी हुई थीं। झंडों और पट्टियों पर 'जय माता हिंगलाज' और 'जय माता शेरां वाली' लिखा था।

अब भारत के हिंदू समुदायों द्वारा यह आवाज उठाई जाने लगी है कि जिस तरह भारत और पाकिस्तान के बीच समझौते के कारण सिख समुदायों के लिए करतारपुर कॉरिडोर की स्थापना की गई है, ताकि वे अपने पवित्र स्थल की यात्रा कर सकें, उसी तरह हिंदू समुदायों को भी ऐसी ही सुविधा प्रदान की जाए, क्योंकि पूरे पाकिस्तान में ऐसे कई प्राचीन हिंदू तीर्थ स्थल हैं, जहां वे जाना चाहते हैं।

इस बीच पाकिस्तान में एक अलग तरह का धार्मिक पर्यटन चल रहा है और वह भी पाकिस्तान की बौद्ध विरासत पर। मुझे याद है कि कुछ दशक पहले मैं पाकिस्तान के उत्तरी इलाके में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात घाटी की यात्रा पर गई थी। इस प्रांत में बौद्ध विरासत के कई पवित्र स्थल हैं, जिनमें पहाड़ों में उकेरी गई भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी हैं। स्वात घाटी में स्थित प्रतिमा बहुत ऊंची नहीं थी, इसलिए मैं उस पर चढ़करमूर्ति की गोद में बैठकर फोटो खिंचवा पाई थी।

इस हफ्ते पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने गांधार से विश्व तक शीर्षक से एक परिसंवाद एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया था, जो दुनिया के समक्ष मौजूद कट्टरपंथ, जो शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है, के खिलाफ एक नरम विकल्प खोजने की कोशिश थी। परिसंवाद का उद्देश्य यह संदेश देना था कि दुनिया भर के लोगों को जोड़ने के लिए कई कारक हैं और बौद्ध विरासत उनमें से एक है। यह पाकिस्तान आकर बौद्ध विरासत के प्राचीन चिह्नों को देखने का एक धार्मिक पर्यटन मात्र नहीं है, बल्कि कई गैर-बौद्ध भी यहां आते हैं, क्योंकि भगवान बुद्ध का शांति का संदेश पर्यटकों को आकर्षित करता है।

खैबरपख्तूनख्वामें प्राचीनगांधार सभ्यता के चिह्न आधुनिक तक्षशिला, पेशावर, चारसद्दा और स्वात में हैं। यह देखना दिलचस्प था कि विदेश मंत्रालय, जो आम तौर पर मुल्क की विदेश नीति को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा करने में व्यस्त रहता है, ने पूरी तरह से अलग तरह के पर्यटकों को आमंत्रित किया था। परिसंवाद आयोजित करने के पीछे वैशाख पूर्णिमा का उत्सव मनाने का विचार था, जो भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और निर्वाण का दिवस है।मुख्य अतिथि श्रीलंका के विदुर विक्रमनायक थे, जो वहां के धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री हैं। उनके अलावा, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम के धार्मिक नेता और विशेषज्ञ भी मौजूद थे। विदुर विक्रमनायक ने अपने सार्थक वक्तव्य में कहा कि आइए, हम सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक गांधार सेतु बनाएं, ताकि लोगों और राष्ट्रों को एक साथ लाया जा सके। हमें गांधार को एक जीवंत विरासत बनाना है।थाईलैंड के विश्व बौद्ध विश्वविद्यालय के मानद रेक्टर अनिल शाक्य ने एक वीडियो संदेश भेजा था, जिसमें कहा गया कि पाकिस्तान वह स्थान है, जहां बौद्ध इतिहास में पहली बार भगवान बुद्ध की प्रतिमाएं प्रकट हुईं और गांधार कला दुनिया भर के सभी बौद्धों और गैरबौद्धों के लिए बहुत प्रभावशाली रही है। अमर उजाला के पाठकों को यह जानकर खुशी होगी कि पाकिस्तान के संग्रहालयों में भगवान बुद्ध की कुछ बहुत ही दुर्लभ और ऐतिहासिक मूर्तियां हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध उपवासरत बुद्ध की मूर्ति है।

ऐसे समय में, जब नफरत, उग्रवाद और असहिष्णुता समाजों को बांट रहे हैं, अब वक्त आ गया है कि दुनिया भर के देशों के बीच गांधार सेतु का निर्माण किया जाए, जो शांति और सहिष्णुता के प्रतीक भगवान बुद्ध के संदेश का प्रसार करेगा।

# भस्म आरती में नया मुकुट पहनकर सजे बाबा महाकाल, आंकड़े की पहनी माला, आम का लगाया गया भोग

*भस्म आरती में नया मुकुट पहनकर सजे बाबा महाकाल, आंकड़े की पहनी माला, आम का लगाया गया भोगइसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई। आज के शृंगार की विशेष बात ये रही कि आज अष्टमी तिथि व शक्रवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का विशेष शृंगार कर बाबा महाकाल को नवीन मुकुट और आकड़े की माला से सजाया गया। बाद में कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और आम का भोग भी लगाया गया। बाद में महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।*

# जान्हवी कपूर ने उनकी चोट को नकली बताने वाले ट्रोल को लताड़ा

## बोलीं- मजाक उड़ाने से पहले अगर...

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही आज आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। शुरुआती तौर पर फिल्म को दर्शकों की अछी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने काफी मेहनत की है, जिसकी झलक उन्होंने फैंस के साथ भी साझा की थी। वहीं इस बीच अब अभिनेत्री का एक कमेंट वायरल हो रहा है। दरअसल, एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी चोटों का मजाक उडाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने भी जमकर उस यूजर को लताड़ लगाई। जान्हवी कपूर ने मिस्टर एंड मिसेज माही की शूटिंग के दौरान लगी चोटों का मजाक उड़ाने वाले एक ट्रोल की खिंचाई की। अभिनेत्री इस फिल्म में क्रिकेटर की भूमिका निभा रही हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में उन्होंने एक बिहाइंड द सीन वीडियो साझा किया था, जिसमें वह अपनी चोटों के बावजूद प्रैक्टिस करती नजर आ रही थीं। कंधों पर पट्टियां बांधे जान्हवी ने नेट्स में टेनिस बॉल से प्रैक्टिस की। वीडियो पर टिप्पणी करते हुए एक ट्रोल ने गेंदों को देखा और उन्हें टेनिस बॉल से चोटिल होने के लिए बुरा-भला कहा। ट्रोल ने जान्हवी का मजाक उड़ाते हुए टिप्पणी की, टेनिस बॉल में चोट लगने लगी। अभिनेत्री ने ट्रोल को आड़े हाथों लेते हुए बताया कि वे सीजन बॉल से घायल हो गई थीं और यह वीडियो में दिखाया गया था। जान्हवी ने ट्रोल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, चोट सीजन बॉल से लगी थी, चोटों के बाद टेनिस बॉल से खेलना पड़ा। बैंडेज देखेंगे तो समझ जाएंगे कि ये सारे वीडियो चोटों के बाद हैं। इसके साथ ही जान्हवी ने दूसरी टिप्पणी भी की और लिखा, मजाक उड़ाने से पहले अगर वीडियो ठीक दे देख ले तो शायद मैं भी आपके मजाक पर हंसूंगी। इस टिप्पणी के बाद ट्रोल ने जान्हवी कपूर को प्रतिक्रिया दी और फिर टिप्पणी करते हुए जान्हवी से माफी मांगी। वहीं इस बीच फिल्म पर भी दर्शकों की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। फिल्म का प्रीमियर सोमवार रात मुंबई में हुआ और इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। सोहा अली खान, कुणाल खेमू, अंगद बेदी और नेहा धूपिया जैसे सितारों ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी समीक्षा साझा की थी। इससे पहले फिल्म में महिमा की भूमिका निभाने वाली जान्हवी कपूर ने खुलासा किया था कि एक क्रिकेटर के तौर-तरीकों को अपनाने के लिए उन्हें छह महीने की कठिन ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा था कि किरदार में ढलना छह महीने की एक लंबी प्रक्रिया थी। इसके अलावा यह भी खुलासा किया गया था कि अभिनेत्री ने फिल्म की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। करण जौहर द्वारा निर्मित और शरण शर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही एक रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें जान्हवी और राजकुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में राजकुमार ने महेंद्र सिंह धोनी का किरदार निभाया है, जबकि जान्हवी महिमा के किरदार में नजर आईं।

# अरनमनई 4 के निर्देशक का बड़ा खुलासा विजय सेतुपति और राशि खन्ना से जुड़ा है मामला

अरनमनई 4 सुंदर सी के निर्देशन में बनी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। फिल्म में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया,राशि खन्ना और सुंदर सी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म इस साल ही 3 मई को तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई थी, जहां फिल्म को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अछा कारोबार किया था। तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई फिल्म ने 100 करोड़ से भी यादा की कमाई की थी। आज,31 मई को इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया है।

**अरनमनई 4 में होना था एक रोमांटिक एंगल-सुंदर सी**

सुंदर सी के निर्दशन वाली फिल्म अरनमन 4 इस साल तमिल सिनेमा की पहली ब्लॉकबस्टर बन गई है। तमिल और तेलुगु में धूम मचाने के बाद इस हॉरर कॉमेडी ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर लगभग 90 करोड़ की कमाई की है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म के निर्देशक सुंदर सी ने फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में एक रोमांटिक एंगल भी दिखाया जाना था, जो पहले स्क्रिप्ट का हिस्सा था। हालांकि, बाद में उसे फिल्म से हटा दिया गया।

**विजय सेतुपति और राशि खन्ना के बीच था रोमांटिक ट्रैक**

निर्देशक ने कहा है कि अरनमनई 4 में एक रोमांटिक एंगल था, जिसे बाद में उन्होंने स्क्रिप्ट से हटा दिया। उन्होंने बताया कि विजय सेतुपति को शुरू में फिल्म के नायक के रूप में लिया गया था और उन्हें ध्यान में रख कर सुंदर ने एक रोमांटिक ट्रैक लिखा था। उन्होंने कहा, रोमांटिक ट्रैक राशि खन्ना के किरदार और विजय सेतुपति के किरदार के बीच होना था, जिसमें एक गाना भी शामिल था। फिर डेट्स की समस्याओं की वजह से विजय सेतुपति फिल्म से बाहर चले गए, इसलिए गाने को भी हटा दिया गया।

**तमन्ना और राशि साथ आ रहीं नजर** बता दें कि यह फिल्म मशहूर अरनमनई फ्रेंचाइजी की चौथी कड़ी है। अरनमनई 4 इस फ्रेंचाइजी की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है। फिल्म को समीक्षकों से भी मिश्रित और सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली है। आज, 31 मई को फिल्म हिंदी दर्शकों के लिए भी रिलीज की जा रही है। निर्माताओं को फिल्म से हिंदी में भी अछे प्रदर्शन की उम्मीद है। फिल्म में तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना के अलावा सुंदर सी,वेनेला किशोर, सुनील, योगी बाबू, श्रीनिवास रेड्डी , केएस रवि कुमार सहित कई शानदार कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्माण खुशबू सुंदर और एसीएस अरुण कुमार ने किया है। वहीं, फिल्म में हिपहॉप तमिझा ने संगीत दिया है।

### वेक अप डेड मैनः ए नाइट्स आउट मिस्ट्री पर आया बड़ा अपडेट, जेरेमी रेनर की हुई एंट्री

जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता डैनियल क्रेग अपनी नई फिल्म वेक अप डेड मैन- ए नाइट्स आउट मिस्ट्री को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म से जुड़ा एक ताजा अपडेट सामने आया है। खबर है कि अभिनेता जेरेमी रेनर भी इस फिल्म से जुड़ गए हैं। दोनों अभिनेताओं को एक साथ देखने के लिए दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर है।

# नंदमुरी बालकृष्ण के धक्का देने के मामले पर अंजलि ने तोड़ी चुप्पी, कहा, उन्होंने कार्यक्रम में आकर..

तेलुगु अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण द्वारा अभिनेत्री अंजलि को धक्का देने के मामले पर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस मसले पर खुद अंजलि की ओर से प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने नंदमुरी बालकृष्ण के व्यवहार पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है और मामले को लेकर एक ट्वीट भी किया है।

**नंदमुरी बालकृष्ण की जमकर हुई थी आलोचना**

अंजलि की प्रतिक्रिया को जानने से पहले एक बार फटाफट इस मामले को समझ लेते हैं। यह घटना फिल्म गैंग्स ऑफ गोदावरी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान हुई थी। नंदमुरी बालकृष्ण इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मंच पर अभिनेत्री अंजलि को धक्का दिया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही बालकृष्ण यूजर्स के निशाने पर आ गए थे। सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना की गई। हालांकि, इस वीडियो में धक्का लगने के बाद भी अंजलि को हंसते हुए देखा जा सकता है।

**अंजलि ने दिया बालकृष्ण को धन्यवाद**

इस घटना पर लोगों की आलोचनाओं से इतर अंजलि की कुछ और ही प्रतिक्रिया देखने को मिली। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं बालकृष्ण गारू को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने गैंग्स ऑफ गोदावरी के प्री-रिलीज कार्यक्रम में आकर इसकी शोभा बढ़ाई। मैं कहना चाहूंगी कि बालकृष्ण गारू और मैंने हमेशा एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखा है और हम लंबे समय से एक अछी दोस्ती साझा करते हैं। उनके साथ फिर से मंच साझा करना अद्भुत था। अंजलि ने अपने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है।

**एक्शन फिल्म है गैंग्स ऑफ गोदावरी**

गैंग्स ऑफ गोदावरी में अंजलि के अलावा विश्वक सेन, नेहा शेट्टी और साई कुमार ने भी अभिनय किया है। इसका निर्देशन कृष्णा चैतन्य ने किया है। यह एक एक्शन एडवेंचर फिल्म है, जिसका निर्माण सूर्यदेवरा नागा वामसी, एस. राधा कृष्ण और साई सौजन्य ने किया है।

# माही के किरदार में जान्हवी ने जड़ा सिक्सर, शरण ने समझाई प्रेम की सनातनी परिभाषा

हिंदी सिनेमा में क्रिकेट की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्मों की भी दिलचस्प कहानी है। जिस देश में आईपीएल के दौरान न फिल्में चलती हैं और न किसी दूसरे काम में ही युवाओं का मन लगता है, उस देश में क्रिकेट वर्ल्ड की पहली जीत पर बनी '83' जैसी बढ़िया फिल्म को भी लोग नहीं देखते हैं। ऐसे में फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर दर्शकों में आशंकाएं हों ये तो लाजिमी है लेकिन फोन यहां इतनी जल्दी भी नहीं रखना है, भले दूसरी लाइन पर आजमी है। जी हां, फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की पृष्ठभूमि भले क्रिकेट की हो लेकिन ये कहानी प्रेम की है। त्याग की है। घमंड और अहंकार की है। और है, पीढ़ियों के बीच बने फासले को क्रिकेट की 22 गज की पिच को नापकर पूरी करने की।

**तत् सुखे, सुखे त्वम् को समझाती फिल्म** सनातन संस्कृति में त्याग को प्रेम का पहला आधार माना गया है। इसका फार्मूला है, 'तत् सुखे सुखे त्वम्' और इसी सूत्र के सहारे आगे बढ़ती है फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही'। फिल्म के प्रचार में थोड़ा जतन और थोड़ी लगन लगाई गई होती तो टिकट खिड़की पर इसकी ओपनिंग भी शानदार हो सकती थी, लेकिन फिल्म के दोनों प्रमुख कलाकारों राजकुमार राव और जान्हवी कपूर का पिछला बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड इस फिल्म पर भारी है। कहानी साधारण सी है, लेकिन इसकी मेकिंग दिलचस्प है। मध्यमवर्गीय परिवार का लड़का महेंद्र अग्रवाल अपने अरमान क्रिकेट की किट में छुपाकर अपने पिता की दुकान संभालने लगता है। जयपुर जैसे शहर में दुकान बढ़िया चल रही है तो रिश्ता एक ऐसी लड़की का आता है जो एमबीबीएस पास कर डॉक्टरी कर रही है। नाम, महिमा अग्रवाल। महेंद्र और महिमा दोनों को घरवाले माही कहकर ही बुलाते हैं। महिमा का क्रिकेट में हाथ अछा चलता है। महेंद्र को ये पता चलता है तो वह उसे डॉक्टरी छोड़ मैदान में उतरने को उकसाता है और जिस मंजिल तक वह खुद नहीं पहुंच पाया, उसकी तरफ अपनी पत्नी को ले जाता है।

**परदे पर आपके आसपास की कहानी** फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की कहानी फिल्म शुरू होने से पहले ही दर्शक को पता होती है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और पोस्टर सब इसकी चुगली पहले दिन से करते रहते हैं और कहानी कहने के शिल्प के अनुसार भी ये बात दर्शकों को बताना फिल्म के लेखकों व निर्देशक के लिए जरूरी हो जाता है। अब देखना ये होता है कि मुख्य कलाकारों के सामने आ खड़ी हुई मुसीबत से दोनों पार कैसे पाएंगे और इस सफर के पड़ाव क्या क्या होंगे? तो शरण शर्मा और निखिल मल्होत्रा इसमें पिता-पुत्र का वैचारिक संघर्ष, बुढ़ापे की ओर जा रही पीढ़ी की हवाबाजी की आदतें, मां का हलवा वाला प्यार, बेटी का मन मारकर घर वालों का कहना मानना जैसी पारंपरिक फिल्मी कहानियां इसमें पकाते रहते हैं।

**बचों के मन की बात जानिए** एक तरह से देखा जाए तो फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की नायक जान्हवी कपूर हैं। उनके किरदार की ही चारों तरफ पूरा ताना बाना कसा गया है। राजकुमार राव यहां उनके साथी कलाकार हैं। सहमी सी, सकुचाई सी बेटी का अपने सपने को पूरा करने के लिए अपने दबंग पिता के सामने अपने मन की बात कहना फिल्म का टर्निंग प्वाइंट है। उधर, खेल के सामान की दुकान संभालने वाले पिता भी जब तक अपने बेटे के दिल की बात समझ पाता है, तब तक बेटे को जीवन का असली 'वैराग्य' समझ आ चुका है। बतौर निर्देशक शरण शर्मा की ये फिल्म दो पल की शोहरत के लिए रिश्तों को आग लगा देने की युवा पीढ़ी की आदतों पर सीधी चोट करती है और ये अंतर्धारा अगर फिल्म देखने वाले समझ गए तो इस फिल्म का मकसद भी पूरा हो जाता है।

**शरण के सामने खाका तोड़ने की चुनौती** 'ऐ दिल है मुश्किल' और 'ये जवानी है दीवानी' जैसी फिल्मों के निर्माण के दौरान सिनेमा के गुर सीखने वाले शरण शर्मा ने अपनी काबिलियत बतौर निर्देशक अपनी पहली ही फिल्म 'गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल' में दिखा दी थी। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' उनकी महिला प्रधान फिल्मों के प्रति आकर्षण की अगली कड़ी है। जान्हवी के साथ उनकी बढ़िया जमती है। पिछली फिल्म में उन्होंने पंकज त्रिपाठी को बतौर पिता जान्हवी का सपोर्ट सिस्टम बनाया था, इस बार पति के रूप में राजकुमार राव यही काम कर रहे हैं। दोनों फिल्मों का टेम्पलेट एक जैसा ही है। शरण शर्मा को बतौर निर्देशक अपना नाम बनाने के लिए अपने चारों तरफ बनता जा रहा ये खाका तोड़ना अब जरूरी होगा।

**ये लगा सिक्सर और जान्हवी फिर चैंपियन** अभिनय के मामले में जान्हवी कपूर ने फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में फिर एक बार ये साबित किया है कि कहानी अछी हो, पटकथा चुस्त हो और उनके किरदार के सामने चुनौती पारिवारिक हो तो वह अपनी मां श्रीदेवी की तरह दर्शकों को रुला देने की ताकत रखती हैं। स्टार किड्स की मौजूदा पीढ़ी की वह सबसे दमदार अदाकारा हैं। लेकिन, उनका सोशल मीडिया उनको अपनी ये छवि गाढ़ी नहीं करने देता। जान्हवी की बढ़िया अदाकारी को देखने के लिए उनके प्रशंसकों का सिनेमाघरों तक आना जरूरी है और जब तक जान्हवी अपनी नुमाइश सोशल मीडिया पर बिना टिकट जारी रखेंगी, टिकट लेकर उन्हें देखने आने वालों की तादाद बढ़ पाना काफी मुश्किल है।

**थर्ड मैन पोजीशन पर दिखे राजकुमार राव** राजकुमार राव के लिए फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में करने को कुछ खास नहीं है। वह एक हारे हुए किरदार में हैं और इस किरदार का पूरा जोर अब कहानी की नायिका को उसके उत्कर्ष तक पहुंचाने वाली क्रियाओं में बस एक उत्प्रेरक की भूमिका अदा करना है। उनकी पिछली फिल्म 'श्रीकांत' अब भी सिनेमाघरों में चल रही है। अभिनय के मामले में उनका विकास अब तक अछा हुआ है। अब, आगे बढ़कर क्या वह अपनी छवि तोड़ने के लिए या फिर दर्शकों को चौंकाने के लिए कुछ ऐसा कर पाएंगे, जो उन्होंने भी बतौर अभिनेता न सोचा हो, इसी सवाल में उनका आने वाला कल छिपा है। कुमुद मिश्रा ने एक सख्त पिता के रूप में अपना असर छोड़ा है। कोच शुक्ला बने राजेश शर्मा भी फिल्म को अछा सहारा देते हैं। पूर्णेंदु भट्टाचार्य और जरीना वहाब कमाल के कलाकार रहे हैं, लेकिन उनकी काबिलियत के हिसाब से उनके किरदार यहां कम अवधि के हैं।

**राजस्थानी पृष्ठभूमि में पंजाबी गाना!** फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की पृष्ठभूमि जयपुर की है और अनय गोस्वामी ने गुलाबी शहर की अलसाती सुबहें और जगमगाती रातें आउटडोर शूटिंग में अछी पकड़ी हैं। फिल्म की इनडोर शूटिंग में भी दृश्यों के भूगोल के हिसाब से उनके कैमरे का संयोजन अछा है। नितिन बैद का संपादन चुस्त है। लेकिन, यही बात फिल्म के गीत-संगीत को लेकर नहीं कही जा सकती। फिल्म की पूरी भावना को समझा पाने वाला एक भी गाना फिल्म में नहीं है। राजस्थान में चलती कहानी का पहला ही गाना पंजाबी में होने, सुबह का नाश्ता कर रही मां के सादी ब्रेड खाते समय टोस्ट खाने जैसी आवाज आना, फिल्म में रह गई छोटी छोटी लेकिन महत्वपूर्ण कमियों को गिनाने के सटीक उदाहरण हैं। उल्लेखनीय यहां ये है कि मल्टीप्लेक्स सिनेमाघर शुक्रवार को सिनेमा लवर्स डे मना रहे हैं और 99 रुपये की टिकट के हिसाब से देखें तो ये फिल्म पैसा वसूल है।

# हल हो गया जीतू भैया का गणित वाला इक्वेशन ये है 'कोटा फैक्ट्री 3' की रिलीज डेट

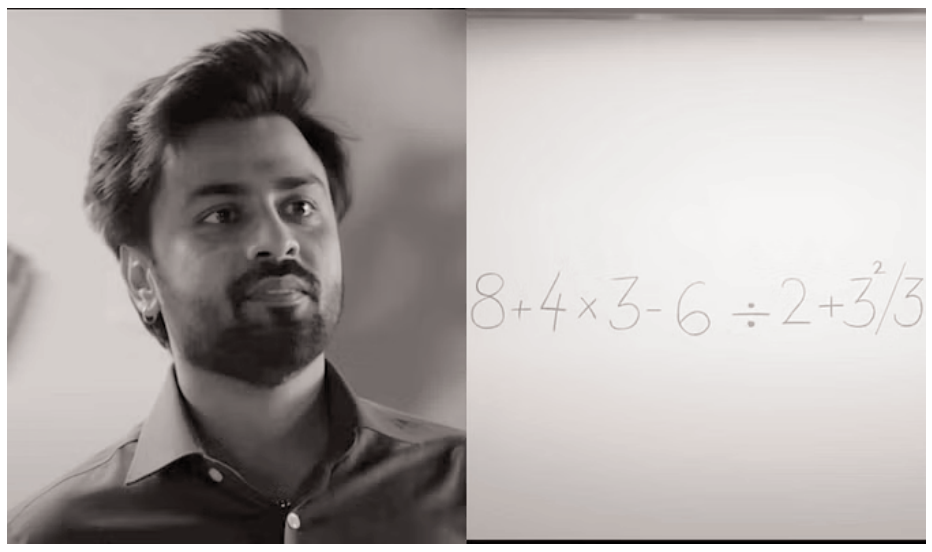


अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'पंचायत 3' रिलीज हो चुकी है। और, इसके हीरो जितेंद्र कुमार की नेटफ्लिक्स की अगली सीरीज 'कोटा फैक्ट्री 3' की रिलीज डेट को लेकर काउंटडाउन शुरू हो गया है। 'पंचायत' के सचिव जी 'कोटा फैक्ट्री' के जीतू भैया हैं और मानते हैं कि असल जिंदगी में अब उनसे विज्ञान के सवाल हल नहीं होते। अलबत्ता अपनी नई सीरीज 'कोटा फैक्ट्री 3' की रिलीज के लिए उन्होंने एक पहेली बूझने को कहा है। तो चलिए आपको बताते हैं कि ये गणित का समीकरण कैसे हल किया जाता है, और आखिर 'कोटा फैक्ट्री' की रिलीज डेट क्या है?'पंचायत 3' की रिलीज से पहले जितेंद्र कुमार से बातचीत में विज्ञान के सवालों को लेकर बात चली तो आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले जितेंद्र कुमार ने ये माना कि अब उनसे ऐसे प्रश्न हल नहीं होते। वह कहते हैं, 'नहीं, बहुत कठिन है अब तो। ऐसे सवाल देख भी लें तो समझ भी नहीं आता कि एक समय में हम सब ये कर चुके हैं। बहुत मेहनत का काम है। और, उतनी मेहनत मैं शायद अब न कर पाऊं।' लेकिन, अपने प्रशंसकों से वह ऐसी ही मेहनत करवाना चाहते हैं। तो चलिए हम और आप मिलकर इस समीकरण को हल करते हैं। गणित के ऐसे सवालों को हल करने का एक फॉर्मूला है, जिसे शॉर्ट में बॉडमास कहते हैं।बॉडमास यानी बी ओ डी एम ए एस अर्थात ब्रैकेट, ऑर्डर ऑफ पॉवर्स, डिवीजन, मल्टीप्लिकेशन, एडीशन और सबट्रैक्शन। गणित के इस तरह के सवालों में सबसे पहले ब्रैकेट सुलझाए जाते हैं। फिर रूट्स, फिर भाग, फिर गुणा, फिर जोड़ और सबसे आखिर में घटाना। तो जैसा कि आप ऊपर दिए गए फोटो में देख रहे हैं, सबसे पहले हमें तीन का वर्ग सुलझाना है जो नौ हुआ। फिर भाग देना है, यानी छह को दो से और नौ को तीन से। इसके बाद गुणा वाले निशान हटाने के लिए चार को तीन से और तीन को दो से गुणा करना है। अब हमारे पास बचा आठ प्लस 12 माइनस तीन प्लस छह माइनस तीन।बॉडमास फॉर्मूले के इस्तेमाल के समय सबसे आखिर से पहले धन यानी जोड़ के निशान हल किए जाते हैं तो हमारे पास बचा, बीस माइनस नौ माइनस तीन। यानी ग्यारह माइनस तीन यानी आठ। जितेंद्र कुमार के 'कोटा फैक्ट्री' सीजन 3 के डेट अनाउंसमेंट वीडियो में महीना वह जून बता ही चुके हैं। तारीख निकालने के लिए जो पहेली उन्होंने वीडियो में सुझाई उसका हल आठ निकला है। तो इस वीडियो के हिसाब से नेटफ्लिक्स पर 'कोटा फैक्ट्री' का तीसरा सीजन आठ जून को प्रसारित होगा। आमतौर पर ओटीटी पर नई फिल्में और नई सीरीज शुक्रवार को ही रिलीज होते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में एक ही दिन तमाम फिल्में और सीरीज होने के चलते ओटीटी प्रबंधन इनके दिन बदलने लगे हैं। अमेजन प्राइम वीडियो ने भी 'पंचायत' का तीसरा सीजन मंगलवार 28 मई को रिलीज किया है। नेटफ्लिक्स ने इसके पहले 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' शनिवार 30 मार्च को शुरू किया था।अब 'कोटा फैक्ट्री' का तीसरा सीजन भी शनिवार 8 जून को ही आने वाला है।

# 04 जून को होगी देवास संसदीय क्षेत्र में मतगणना लगेंगे 122 टेबलों... होंगे 155 राउंड

**भग्वान दास बैरागी । सिटी चीफ ।**
शाजापुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना ने बताया कि 04 जून 2024 को संसदीय क्षेत्र 21 देवास की आठों विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के लिए मतगणना स्थलों पर कुल 122 टेबलें लगाई जाएंगी, जिस पर कुल 2309 मतदान केन्द्रों के मतों की गणना की जाएगी। सुबह 8 बजे से मतगणना का कार्य प्रारंभ होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाजापुर के शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में

होने वाली मतगणना के लिए शाजापुर विधानसभा क्षेत्र के लिए 18 तथा शुजालपुर एवं कालापीपल क्षेत्र के लिए 14-14 टेबल लगाई जाएगी। इसी तरह शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में होने वाली मतगणना के लिए आष्टा विधानसभा क्षेत्र के लिए 20 टेबलें, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज आगर में होने वाली मतगणना के लिए आगर विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 टेबलें तथा शासकीय केन्द्रीय विद्यालय बैंक नोट प्रेस परिसर देवास में होने वाली मतगणना के लिए सोनकच्छ, देवास व हाटपिपल्या विधानसभा क्षेत्र के लिए 14-14 टेबलें लगाई जाएंगी। साथ ही देवास लोकसभा क्षेत्र के पोस्टल बैलट की गणना के लिए 8 टेबलें लगाई जाएंगी।

# शाजापुर में मतगणना के उपरांत वेयर हाउस में रखी जाएगी ईव्हीएम मशीन

**भग्वान दास बैरागी । सिटी चीफ ।**
शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 21 देवास अजा में लगने वाली जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र 167 शाजापुर, 168 शुजालपुर एवं 169 कालापीपल की मतगणना 04 जून 2024 को संपन्न होने के उपरांत 05 जून को ईव्हीएम मशीनें सहायक रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शाजापुर से जिला निर्वाचन के लालघाटी स्थित ईव्हीएम वेयर हाउस में रखी जाएगी। इसके साथ ही शिल्ड लिफाफे जिला कोषालय के कक्ष में रखे जाएंगे। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों से स्वयं अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता या उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि ईव्हीएम परिवहन एवं कोषालय में रखी जाने वाली सामग्री के समय उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

# पीडब्ल्यूडी ठेकेदार की हठधर्मिता, पुरानी सड़क उखाड़े बिना ही बना डाली नई सड़क

## अब दर्जनों दुकानों में घुसेगा बरसाती पानी

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।**

नागल ।सहारनपुर, व्यापारियों के भारी विरोध के बावजूद पीडब्ल्यूडी ठेकेदार ने नागल क्षेत्र के मेन बाजार में पुरानी बनी सीसी सड़क के ऊपर ही नई सड़क का निर्माण शुरू कर दिया। जिस पर व्यापारियों में भारी रोष है। व्यापारियों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है। बता दें कि पीडब्ल्यूडी द्वारा नागल क्षेत्र के मेन बाजार में सीसी सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। व्यापारी अनीस डाबर अजय अग्रवाल, पंकज त्यागी, दीपक गौतम, विमल बत्रा, अशोक बत्रा, राजीव त्यागी, जगदीश तनेजा आदि का कहना है कि बाजार में बरसाती पानी की निकासी का कोई उचित प्रबंध नहीं है, जिस कारण दुकानों में बरसाती पानी भर जाता था, अब ठेकेदार पुरानी सड़क उखाड़े बिना ही सड़क ऊंची करने में लगा है। जिस कारण व्यापारियों को बरसात में भारी नुकसान होगा। व्यापारियों का कहना था कि सड़क सही हालत में है इसका पुनर्निर्माण करना सरकारी धन की बर्बादी है। यदि सड़क बनानी ही है तो पहले पूर्व में बनी सड़क को उखाड़ा जाए। व्यापारियों के भारी विरोध के चलते अवर अभियंता सचिन पंवार ने कहा कि डाकघर से ताजपुर रोड तक सड़क का लेवल चेक किया जाएगा यदि अंतर पाया जाएगा तो सड़क बनाई जाएगी अन्यथा नहीं। बाद में सड़क का लेवल चेक करने पर मात्र 2 सेंटीमीटर का ही अंतर मिला। इसके बावजूद ठेकेदार ने हठधर्मिता के चलते सड़क निर्माण शुरू करा दिया। व्यापारियों का कहना है सडक को 19 सेंटीमीटर और ऊंचा उठाया जा रहा है। जिससे दर्जनों दुकानें सड़क से नीचे हो जाएगी तथा बरसात में व्यापारियों का लाखों रुपए का सामान खराब होगा। व्यापारियों ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई को उप जिलाधिकारी देवबंद, जिलाधिकारी सहारनपुर, पीडब्ल्यूडी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह व मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की है।

# आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय में बदलाव

**भग्वान दास बैरागी । सिटी चीफ।**
शाजापुर, अत्यधिक गर्मी के कारण आंगनवाड़ी केन्द्रों में आने वाले 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य पर गर्मी का दुष्प्रभाव न हो एवं उनकी सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन बच्चों की उपस्थित हेतु का समय प्रात: 8.30 बजे से सुबह 11.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। महिला एवं बाल विकास प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी नीलम चौहान ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं, सहायिकाएं एवं मिनी कार्यकर्ता अपने निर्धारित कार्य प्रात: 8.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक संपादित करेंगी। यह परिवर्तन 30 जून 2024 तक के लिए किया गया है। 30 जून 2024 के पश्चात आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन का समय पूर्ववत ही रहेगा।

**कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा ईव्हीएम मशीन सीलिंग के दौरान उपस्थित रह सकेंगे गणना अभिकर्ता**

**भग्वान दास बैरागी । सिटी चीफ ।**
शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन के लिए संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 21 देवास में लगने वाली शाजापुर जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र शाजापुर, शुजालपुर एवं कालापीपल की मतगणना 04 जून 2024 को संपन्न होने के उपरांत ईव्हीएम मशीनें सहायक रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा सीलिंगकी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र प्रसाद सिंह ने निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों से कहा है कि सीलिंग की कार्रवाई के दौरान वे अपना गणना अभिकर्ता उपस्थित रह सकते हैं।

# सहारनपुर: देवर्षि नारद विश्व के पहले पत्रकार :- पद्मश्री भारत भूषण

## सत्यनिष्ठ पत्रकारिता सदैव अभिनंदनीय

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।**
सहारनपुर, पत्रकारिता दिवस पर सोशल मीडिया संवाद में एक ज़माने में सक्रिय पत्रकार रहे योग गुरु स्वामी भारत भूषण ने कहा कि 1826 में पंडित युगल किशोर शुक्ल द्वारा उदंत मार्तंड के प्रकाशन से हिंदी पत्रकारिता का शुभारंभ याद किया जाना प्रेरक है लेकिन बात इतनी ही नहीं है। श्रुति और स्मृति के उस युग में जब अखबार तो नहीं थे (जैसे इस युग में भी अब वह धीरे धीरे विलुप्ति की ओर हैं) लेकिन विश्व के पहले पत्रकार देवर्षि नारद जी हैं जिनकी रिपोर्टिंग की पैठ इहलोक से देवलोक और परलोक तक रही! उनकी सबसे बड़ी विशेषता कथन व घटनाओं की पारदर्शिता के साथ साथ हित चिंतन से अपनी रिपोर्टिंग को कल्याणकारी दिशा देना रही। आज व्यवसायीकरण की दौड़ में दिनोदिन टूटते पत्रकारिता के जीवन मूल्यों के युग में पत्रकारिता के समाज को क्रांतिकारी हितकर दिशा देने वाले उन उच्च मानकों की पुनर्स्थापना

एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि कलमकार अब उच्च जीवन मूल्यों के रक्षक योद्धा न रहकर निहित स्वार्थ पूर्ति के लिए इन्हे नष्ट करने वाले कुचक्रों का हिस्सा बनने में देर ही नहीं लगाते बल्कि और सत्य व हित की रक्षक कलम की धार को भी कुंद कर बैठते हैं। इसके विपरीत यह भी सत्य है कि दुरभि संधियों और उच्च जीवन मूल्यों से समझौतों के इस युग में भी उत्कृष्ट जुझारू पत्रकारिता के पैनेपन के सामने सभी लोग नतमस्तक होते हैं। पत्रकारिता दिवस केवल पत्रकारिता के शुभारंभ को याद करने का दिन नही बल्कि पत्रकारिता से उत्कृष्ट जीवन मूल्यों की रक्षा और सर्वकल्याणार्थ निर्भीक व सत्यनिष्ठ पत्रकारिता की ओर लौटने के संकल्प दिवस के रूप में मनाए जाने की जरूरत है। 1970 से करीब दो दशकों तक सक्रिय पत्रकार और प्रेस क्लब के अध्यक्ष और वर्तमान में भी भारत सरकार के इंटरनेशनल मीडिया अवार्ड कमेटी की ज्यूरी रहे योग गुरु स्वामी भारत भूषण ने गर्व से इस ओर ध्यानाकर्षण किया कि आज भी खुद किसी मजबूरी में श्रेष्ठ पत्रकारिता के आदर्शों से समझौता करके जीने वाले पत्रकार बंधु भी खरी, निडर और राष्ट्रीय व मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखकर पत्रकारिता करने वाले जुझारू लोगों को सिर्फ पसंद ही नहीं करते बल्कि उनका हृदय से सम्मान भी करते हैं, सच्ची पत्रकारिता की खनक का इससे सुंदर उदाहरण नहीं हो सकता। उन्होंने देश, संस्कृति और समाज के विकास में पत्रकारिता की भूमिका को सराहा।

## सहारनपुर में गली-गली बह रही योग गंगा, नारी रोगों को अपनी नीयती न समझें, स्वस्थ नारी ही समाज

**परिवार व राष्ट्र का उत्थान कर सकती है :- योग आचार्या अनिता शर्मा**

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।**
सहारनपुर, मोक्षायतन योग संस्थान की 100 दिन योग श्रृंखला के अन्तर्गत योग शिविरों की श्रृंखला में महिला योग शिविर ऐसे जोर पकड़ रहे हैं कि गली-गली योग गंगा बहती नज़र आ रही है। मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान की साधिका योगाचार्या अनिता शर्मा द्वारा सिर्फ एक दिन की अवधि का योग जागृति कार्यक्रम न करके पेपर मिल रोड, हिम्मतनगर, विनय विहार सहित निकट क्षेत्रों की मातृशक्ति के लिये दो सप्ताह का योग निदान व संस्कार शिविर किया गया जो आज संपन्न हुआ। जिसमें महिलाओं ने स्वास्थ्य लाभ लिया और सात्विक आहार व संस्कारवान जीवन अपनाने का भी संकल्प लिया। योग आचार्या अनिता शर्मा ने शिविर के अंतिम दिन इन योग साधिकाओं से कहा कि नारी रोगों को अपनी नीयती न समझें, स्वस्थ नारी ही समाज, परिवार व राष्ट्र का उत्थान कर सकती है। उन्होंने गुरुदेव स्वामी भारत भूषण का संदेश दोहराया कि एक आदमी को योग धारा से जोड़कर हम निसंदेह उस आदमी का भला करते हैं लेकिन एक बेटी को योग से जोड़कर हम दो परिवारों और पीढ़ी का भला करते हैं। अनिता शर्मा ने बताया कि संक्रामक साधक साधिका तैयार करने के लिए यह हर घर योग संस्कार अभियान योग दिवस तक निरंतर जारी रहेगा। शिविर में मधु बिष्ट, ममता चौहान, सीता मिश्रा, सुनयना तिवारी, शीला राणा, पूजा शर्मा, अक्षि, आयुषी आदि समेत बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

# विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम करने के निर्देश

**भग्वान दास बैरागी । सिटी चीफ ।**
शाजापुर, मद्यपान तथा मादक पदार्थों, नशीली दवाईयों, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वालें दुष्परिणामों से समाज युवाओं को अवगत कराने हेतु नशामुक्ति के लिए जनजागृति कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय सत्येन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं स्वैच्छिक संस्थाओं के लिए जारी किए गए हैं। 31 मई विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं एवं बच्चों में तम्बाकू से बने उत्पादों के सेवन से होने वाली गम्भीर बीमारियों कैंसर, टीव्ही, हृदय रोग आदि से बचाव करने के लिए जनजागृति लाना है। कार्यक्रम आयोजन के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, उच्च शिक्षा महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जन अभियान परिषद ब्रह्माकुमारी, गायत्री परिवार तथा स्वैच्छिक संस्था, धार्मिक संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

# कलेक्टर श्री आशीष सिंह को 26 लाख 78 हजार 212 रुपये का चेक सौंपा गया

इन्दौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह को आज यहां इंदौर प्रीमियर को ऑपरेटिव बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आलोक जैन ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शासन को देय लाभांश 26 लाख 78 हजार 212 रुपये का चेक सौंपा। इस अवसर पर उपायुक्त सहकारिता श्री मदन गजभिए भी उपस्थित थे।

# सरकार के भरोसे वृक्षा रोपण सम्भव नही

**उज्जैन**
वृक्षारोपण को सकारात्क सोच ले साथ जन आंदोलन बनाने की जरूरत पर्यावरण के सरंक्षण के लिये ओर वर्तमान में जिस तरह से गर्मी के तेवर दिखाई दे रहे और तापमान 45 डिग्री तक पहुच रहा है ऐसे में पर्यावरण सरंक्षण के वृक्षारोपण बहुत जरूरी है और यह वृक्षारोपण पँचायत पँचायत या सरकार के भरोसे सम्भव नही है, पर इसके लिए वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाने की जरूरत है, यह बात खाचरौद के पर्यावरण प्रेमी जिन्होंने खाचरौद ओर आसपास के क्षेत्र में हजारों वृक्ष लगाकर पर्यावरण सरक्षंण के लिए कीर्तिमान बनाने वाले राजेश चौहान (अरिहन्त) ने कही ! पर्यावरण के क्षेत्र में हजारों की संख्या में खाचरौद ओर उसके आसपास वृक्ष लगाने के इस पुनीत कार्य में त्रिवेणी कहे जाने वाले राजेन्द्र पिता स्व.श्री माणकलालजी चौहान (अरिहंत) और दो युवक दीपक पिता सत्यनारायणजी सोलंकी और श्री हेमंत पिता मदनलालजी धाकड़ द्व इस त्रिवेणी ने अपने कार्यक्षेत्र खाचरोद चामुंडा माता मंदिर पर, नया पुलिस थाना क्षेत्र हजार पौधें लगा दिए जो कि आज लोगों को छांव दे रहे हैं। सैकड़ों फलदार वृक्ष जिसमें पीपल, नीम, गुलर जैसे पक्षी-प्रिय वृक्षों की आकाशमार्गी यात्रा आरम्भ हो चुकी है द्व वैसे पहले ये तीनों छायादार वृक्ष फलदार वृक्ष लगाए , ताकि नागरिक और पक्षी फलों का सेवन कर सकें । अब इन्होंने पीपल, गूलर, नीम, बरगद, जामुन, आम, चीकू, कदम्ब, बिल्वपत्र का वृक्ष, अशोक, कल्पवृक्ष, रुद्राक्ष, शहतूत, आंवला, अर्जुन, बहेड़ा, लीची, सेवफल आदि के हजारों पेड़ अभी तक लगाएं जा चुके हैं । पीपल का अपना अलग ही महत्व है - श्रीराजेश चौहान बताते के की पर्यावरण के सरक्षण के लिए कोई सा भी पौधा हो लगाना चाहिए किन्तु इस पौधों में भी यदि पीपल का पौधा लगे तो उसका धार्मिक महत्व होने के साथ साथ वैज्ञानिक महत्व भी आआपने बताया आआपने बताया कि वर्तमान में अधिक से अधिक दवाइयों के छिड़काव से भूमि जहरीली हो चुकी है ऐसे में पीपल का वृक्ष भूमि के अंदर के जहर को नष्ट करता है, पीपल के पौधे के आसपास के पानी को साफ करता है, ना केवल पीपल बल्कि बड़, गूलर, निम, बिलपत्र जामुन आदि के वृक्ष भी लाभदायक होते हैं !
शिक्षक नायमा को भी बताया पर्यावरण प्रेमी - पर्यावरण सरक्षंण के इस क्षेत्र में श्रीराजेश चौहान ने बताया कि कई लोगो से इस कार्य के लिए सहयोग मिलता है किंतु एक शिक्षक श्रीरणछोडलाल नायमा जिन्होंने छोटे छोटे पीपल के पौधे एकत्रित करते ओर उन्हें बड़े करके ओर हमे लगाने के लिए उपलब्ध करवाए इस दौर में आआपने बताया कि नायमा जब स्कुल या कही भी जाते हैं तो उनके पास इस खुरपी बेग में रहती ही है और जहा भी छोटा सा भी पीपल का पौधा दिखता है वे उसको उखाड़कर अपने बैग में रख लेते और घर लाकर उसको गमले में तैयार करने के बाद लगाने ले लिए हमे उपलब्ध करवाते हैं !कैसे करते हैं, हजारों वृक्षों की देखभाल और सिंचाई- सुबह तीन घंटे और शाम को तीन घंटे तीनों अलग-अलग क्षेत्रों में पानी देते हैं और उनकी देखरेख करते हैं द्व उनके समर्पण को देखकर नगर की जनता भी इन तीनों पर्यावरण मित्रों की भरपूर सराहना करती रहती है। परन्तु इन तीनों ने अपने दैनिक जीवन का बड़ा समय वृक्षों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए नियत कर रखा है। इतनी गर्मी में भी सुबह 5ः00 उठकर तीनों लोग अलग-अलग इलाकों में पानी भी देते हैं और पक्षियों के लिए पानी पीने की भी व्यवस्था करते हैं। वर्तमान में पानी की दिक्कत है जिसके चलते टैंकर से पौधों को सतत पानी पिलाने का काम करते हैं कई बार तो पानी भी खरीद कर पौधों को पिलाना पड़ता है !

**बालोद** जल संरक्षण पखवाड़ा के अंतर्गत ग्रामीणों के घरों में बनाए जा रहे हैं सोख्ता गड्ढा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने आज ग्राम बोढ़रा, अरमरीकला एवं गंगोरीपार में सोख्ता गड्ढा व तालाब निर्माण के कार्य का लिया जायजा।

# प्राचीन पद्धति, योग घर किचन में रखी प्राकृतिक खानें में उपयोग में चीज से करें उपचार स्वामी परमार्थ देव

**झाबुआ**

झाबुआ –पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव का प्रवास झाबुआ प्रथम आगमन पर भारत स्वाभिमान के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र आर्य के नेतृत्व में प्रदेश ,जिला ,संगठन के पदाधिकारियों भारतीय गोरक्षा वाहिनी प्रदेश महामंत्री भारत स्वाभिमान युवा कार्यकारिणी सदस्य पार्षद राजू धानक, कीसान पंचायत के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट जवसिंह परमार भारत स्वाभिमान के जिला संयोजक निरज भट्ट युवा भारत जिला अध्यक्ष तानसिग मैडा जिला कार्यालय मंत्री गणपति बेरागी पेंशनर ब्लॉग अध्यक्ष जगमोहन सिंह राठौड़ भारतीय गोरक्षा वाहिनी जिला अध्यक्ष मोहनलाल यादव भारत स्वाभिमान थांदला ब्लाक अध्यक्ष राजू सोनी योग शिक्षक इन्द्रर रुणवाल रामायण मंडल

के संयोजक ओम शर्मा भुषण भट्ट सम्यक शर्मा अमरसिंग गोहिल ने जिले के प्रतीक चिह्न तीर–कमान भेंट करते हुए इस कड़ी में कंचन सामाजिक सेवा संस्थान संपूर्ण भारत, भारतीय गोरक्षावाहिनी, अधिवक्ता मालवा प्रांत पदाधिकारियों जिला संरक्षक एडवोकेट तुषार भट्ट संस्था की राष्ट्रीय संचालक महिला अधिवक्ता ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट कुमारी मयूरी धानक महामंत्री एडवोकेट सुरेश बेरागी ने। भी स्वागत सम्मान करते हुए ज़िले में गुरुकुल योग भवन निर्माण का मांगपत्र सौंपा, जिले के पदाधिकारी योग शिक्षक कार्यकर्ता को इस दौरान योग आयुर्वेद स्वदेशी व सनातन संस्कृति व संगठन विस्तार को लेकर जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक संपन्न में जिले के योग शिक्षक व कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए पतंजलि के मुख्य केंद्रीय प्रभारी और स्वामी रामदेव के शिष्य स्वामी परमार्थ देव ने कार्यशाला में बताया कि अपनी ऊर्जा को छोटे कामों में व्यर्थ गवना जीवन का अपमान हे मनुष्य जीवन सेवा के लिए हे सेवा से ही वास्तविक मेवा संतुष्टि मिलती है जो प्रकृति से जो लिया उसे लौटाने में ही भलाई है कर्ज लेना बुरी बात लेकर ना उतरना उससे भी बुरी बात है इसलिए पेड़ लगाए और प्रकृति के साथ खिलवाड़ ना करें स्वामी ने ध्यान भी करवाया ओर कहा कि अपने बच्चों को भी और स्वयं स्वाध्याय करना यह ऋषियों का देश है त्याग व तपस्वियों का देश है भारतवर्ष दुनिया का सबसे युवा देश है और आज फिर से जागने की जरूरत है बड़े बुजुर्गों को और नौजवानों को भी युवाओं को यूवतियों को अपनी संतानों को उसे त्याग तप का उसे ब्रह्मचर्य का उसे वेद के ज्ञान व विज्ञान का योग के द्वारा अपने जीवन व जगत के कल्याण का जो अनुष्ठान है उसमें सबको एक साथ मिलकर भारत को विश्व गुरु बनाने का महान कार्य करना है जो योग गुफाओं में किया जाता था और जो योग विद्या केवल पुस्तकों में थी आज योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज ने उस विद्या को उस ज्ञान को जन–जन तक पहुंचा दिया है भारत को विश्व गुरु आत्म निर्भर का संकल्प दिलाया इस अवसर पर केंद्रीय प्रभारी के साथ भारत स्वाभिमान के राज्य प्रभारी राजेंद्र आर्य पतंजलि योग समिति के प्रदेश प्रभारी कृष्ण योगेंदर रघुवंशी, पतंजलि युवा भारत के राज्य प्रभारी प्रेम पूनिया प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विक्रम डूडी आदि कार्यकर्ता और योग शिक्षक उपस्थित के साथ समाजसेवी जनप्रतिनिधियों समाजजनों युवा शक्ति मातु शक्ति काफी संख्या में सामिल हुए ,कार्यक्रम का सफल संचालन पेंशनर ब्लॉग अध्यक्ष जगमोहन राठौर ने किया आभार ब्लॉग अध्यक्ष राजू सोनी ने माना

# लूट/डकैती के अज्ञात आरोपियो का घटना घटित होने के 01 सप्ताह के अंदर पर्दाफाश

**देवास/ हरणगांव**

समीप ग्राम हरणगांव ओकरा रास्ते पर आयशर ट्रक के ड्राइवर के साथ लूट की घटना हुई थी जिसे पुलिस ने एक सप्ताह के अंदर ही पर्दाफाश कर दिया। दुर्गा फुड प्रोडक्ट कंपनी की आईशर गाडी को ड्राईवर जितेन्द्र चौधरी द्वारा अपने साथियो के साथ लूट की योजना बनाई। जितेन्द्र चौधरी के साथियों द्वारा घटना के पूर्व नमकीन की आईसर गाडी के रूट की रैकी गई एवं सूनसान सडक पर आईसर गाडी को एक्सीडेंट करने का बोलकर टैक्सी कार को नमकीन की आईसर के आगे लगाकर रूकवाकर लूट की घटना को अंजाम दिया गया। फरियादी राजदत्त शर्मा पिता गंगाप्रसाद शर्मा उम्र 65 साल निवासी 50 ऋषिनगर हवाबंगला इंदौर थाना हवाबंगला जिला इंदौर ने रिपोर्ट किया मैं करीब 32 साल से कुणाल राठौर पिता रमेश राठौर निवासी 100 कान्यकुब्ज नगर इंदौर की कंपनी दुर्गा फुड प्रोडक्ट इंदौर में सेल्समेन का काम करता हूँ। कंपनी में नमकीन बनता है। दिनांक 24.05.2024 को मैं ड्राईवर जितेन्द्र चौधरी व हेल्पर संदीप नागवेल के साथ कन्नौद, खातेगाँव, नसरूल्लागंज (भेरूंदा), रेहटी व हरणगांव में नमकीन की डिलेवरी कर रूपयो का कलेक्शन कर लौट रहा था कि ग्राम औंकारा व सातल के बीच एक सफेद रंग की कार ने मेरी आईसर गाडी को एक्सीडेंट का बोलकर रूकवाया, कार में से 04 नकाबपोश बदमाश उतरे जिन्होने एक्सीडेंट का बोलकर मेरे साथ ड्राईवर जितेन्द्र के साथ मारपीट कर करीब 07 से 08 लाख रूपये नगदी लूट कर ले गये। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना हरणगाँव पर अप.क्र. 84/2024 धारा 392 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौराने विवेचना प्रकरण में धारा 395 भादवि का ईजाफा किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जिला देवास संपत उपाध्याय के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री आकाश भुरिया कन्नौद एवं एस.डी.ओ.पी. केतन अडलक अनुभाग कन्नौद के निर्देशन में थाना प्रभारी कन्नौद निरीक्षक तहजीब काजी, थाना प्रभारी हरणगांव उप निरीक्षक श्री शुभम सिंह परिहार के नेतृत्व में उनि गौरव नागावत थाना सतवास, प्रआर जितेन्द्र तोमर, आरक्षक आनंद जाट थाना खातेगाँव, प्रआर रवि राव थाना सतवास, प्रआर अरूण आर्य, प्रआर जितेन्द्र वर्मा आरक्षक संदीप मेवाडा, आरक्षक बलराम मंडलोई, आरक्षक संदीप ठाकुर, सैनिक संदीप तोमर थाना हरणगाँव, की टीम गठीत कर अज्ञात आरोपियों की तलाश पतारसी की गई। टीम द्वारा वरिष्ठ अधिकारियो के मार्गदर्शन में घटना के 01 सप्ताह के अदंर लगातार कार्य कर करीव 818 सीसीटीव्ही फुटेज चैक कर घटना में प्रयुक्त टेक्सी कार क्रमांक को ज्ञात कर कार के आरोपी मालिक चालक अशोक पिता सिंघाराम भंडारी जाति धाकड उम्र 44 साल निवासी ग्राम पिपलिया माला थाना भवंरकुआ जिला इंदौर की जानकारी प्राप्त कर फरियादी की आईशर गाडी के आरोपी चालक जितेन्द्र पिता शिवनारायण चौधरी उम्र 42 साल निवासी ग्राम आकासोदा तह. हातोद जिला इंदौर के मोवाईल नंबर की सीडीआर प्राप्त कर अवलोकन कर जितेन्द्र से बारिकी से पुछताछ कर तकनीकी साक्ष्यो की मदद से घटना के अन्य आरोपी बबलू उर्फ मिड्डी पिता देवा बामनिया उम्र 28 साल निवासी ग्राम आगरा थाना देपालपुर जिला इंदौर, प्रदीप उर्फ गहू पिता इंदर नागर जाति धाकड उम्र 26 साल निवासी ग्राम आगरा थाना देपालपुर जिला इंदौर, अशोक पिता सिंघाराम भंडारी जाति धाकड उम्र 44 साल निवासी ग्राम पिपलिया माला थाना भवंरकुआ जिला इंदौर, राहुल पिता बजेसिंह नागर जाति धाकड उम्र 27 साल निवासी ग्राम आगरा थाना देपालपुर जिला इंदौर, विजय पिता रामगोपाल यादव जाति अहीर उम्र 33 साल निवासी ग्राम सिकंदरी थाना हातोद जिला इंदौर, सचिन पिता राजेश नागर जाति धाकड उम्र 26 साल निवासी ग्राम आगरा थाना देपालपुर जिला इंदौर को गिरफ्तार कर घटना में लूटे गये मथुका में से 05 लाख रूपये की जप्ती की गयी। आरोपीयो से शेष मश्रुका व घटना के संबंध में पुछताछ जारी है एवं आरोपीयो के आपराधिक रिकार्ड सर्च किये जा रहे है। प्रकरण की विवेचना जारी है। पुलिस अधीक्षक देवास द्वारा पुलिस टीम को नगद ईनाम देने की घोषणा की गई है।थाना प्रभारी कन्नौद निरीक्षक तहजीब काजी, थाना प्रभारी हरणगांव उप निरीक्षक श्री शुभम सिंह परिहार, उनि राहुल रावत थाना कन्नौद, उनि गौरव नागावत थाना सतवास, प्रआर जितेन्द्र तोमर, आरक्षक आनंद जाट थाना खातेगाँव, प्रआर रवि जाधव थाना सतवास, प्रआर अरूण आर्य, प्रआर जितेन्द्र वर्मा, आरक्षक संदीप सिंह मेवाडा, आरक्षक बलराम मंडलोई, आरक्षक संदीप ठाकुर थाना हरणगांव आरक्षक बालकृष्ण छापे, आरक्षक जितेन्द्र विश्वकर्मा थाना कन्नौद, आरक्षक योगेन्द्र यादव थाना सतवास, प्रआर सचिन सिंह चौहान व प्रआर शिवप्रताप सेंगर सायबर सेल देवास, सैनिक संदीप तोमर थाना हरणगाँव की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

**टीकमगढ़** भारत सरकार के खनिज विभाग मे कोल इंडिया लिमिटेड रिक्रूटमेंट डिवीजन भर्ती 2024 द्वारा गेट 2023 के रिजल्ट के आधार पर मेरे सबसे छोटे बेटे इंजीनियर यश कुमार का एग्जीक्यूटिव इंजीनियर / असिस्टेंट मैनेजर के पद पर नॉर्थर्न कोल फील्ड लिमिटेड एन सी एल में सिलेक्शन 28 मई 2024 को भगवान एवं आप सभी बड़े बूढ़ों के आशीर्वाद से उसकी मेहनत के आधार पर सलेक्शन हुआ है आप सभी यस बेटे को उसे और आशीर्वाद दें जिससे वह और आगे बढ़ सके धन्यवाद आपका हरिशंकर खटीक विधायक जतारा ज़िला टीकमगढ़

# मतगणना अभिकर्ता की मतगणना में भूमिका, उत्तरदायित्व एवं नियुक्ति के सम्बंध में बैठक का आयोजन

**झाबुआ**

लोकसभा निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत 4 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों के सम्बन्ध में अभ्यर्थी के मतगणना अभिकर्ता की नियुक्ति एवं मतगणना में उत्तरदायित्व के सम्बन्ध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। मास्टर ट्रेनर्स के दल के द्वारा उपस्थित अभ्यर्थी एवं अभिकर्ता को गणना अभिकर्ता की नियुक्ति के लिए आवश्यक प्रारूप 18 भरकर समयसीमा में जमा कराने सम्बन्धी कार्यवाही के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक बताया गया, इसी के साथ मतगणना कक्ष में सदाचार एवं उचित आचरण के सम्बन्ध में, मतगणना कक्ष में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ना ले जाने सम्बन्धी जानकारी से अवगत कराया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना द्वारा बताया गया कि 100 मी. के दायरे के बाहर सुविधा केन्द्र बनाया जा रहा है। गणना अभिकताओं के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है, ईवीएम की मतगणना अभिकर्ताओं की जानकारी विधानसभावार क्रमशः सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को उपलब्ध करा दी जाए, वहीं पोस्टल बैलेट के गणना अभिकर्ता की जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाए, इसी के साथ भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अतिरिक्त निर्वाचन अभिकर्ता की नियुक्ति की जा सकती है। पुलिस अधीक्षक श्री पद्?म विलोचन शुक्ल द्वारा पार्किंग व्यवस्था के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दे कर बताया गया कि 100 मी. के अन्दर का क्षेत्र वाहन निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एस. एस. मुजाल्दा, सहायक रिटर्निंग अधिकारी पेटलावद श्री अनिल कुमार राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पी.एल. कुर्वे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यनारायण दर्रो, संयुक्त कलेक्टर श्री अक्षय सिंह मरकाम, सहायक रिटर्निंग अधिकारी थांदला श्री तरुण जैन, सहायक रिटर्निंग अधिकारी झाबुआ श्री हरिशंकर विश्वकर्मा, मास्टर ट्रेनर्स श्री हरीश कुण्डल, श्री अजय कुशवाह, श्री एस.के. तिवारी, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि अभ्यर्थी एवं उनके अभिकर्ता उपस्थित रहे।

# छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पितः सीएम राइज स्कूल सिहावल

**सफलता की कहानी**

**89 प्रतिशत परिणाम रहा मॉडल स्कूल सिहावल का**

**विद्यालय में स्थापित है रोबोटिक लैब**

परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। आदिकाल से समय के साथ क्रमिक परिवर्तन की प्रक्रिया से गुजरते हुये मानव सभ्यता 21 वीं सदी में प्रविष्ट कर चुकी है। इस सदी की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी आदि आवश्यक जरूरतों के पूर्ण करने के उद्देश्य से शैक्षिक क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाना समय की माँग है, जिसे पूर्ण करने के लिए शासन द्वारा वर्ष 2012 में सिहावल में शासकीय मॉडल स्कूल की स्थापना की गई। प्रारम्भ में स्वयं का भवन न होने की वजह से इसे उत्कृष्ट विद्यालय सिहावल के साथ संचालित किया गया। वर्ष 2016 में स्वयं का भवन उपलब्ध होने पर यह विद्यालय वर्तमान में सिहावल ब्लॉक के बमुरी ग्राम में स्थित है। वर्ष 2012 से मई 2022 तक यह विद्यालय मॉडल स्कूल के नाम से जाना जाता रहा है।

मॉडल स्कूल से सीएम राइज स्कूल का सफर म.प्र. शासन की महत्वाकांक्षी सीएम राईज योजनान्तर्गत चयनित होने के बाद इसे वर्तमान में सीएम राईज मॉडल स्कूल नाम मिल चुका है। वर्ष 2012 में अपनी स्थापना से सीएम राईज विद्यालय बनने तक के सफर में विद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल की है और छात्रों तथा अभिभावकों का विश्वास हासिल किया है। शैक्षिक एवं व्यायाम, नृत्य, गायन एवं वादन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी यहां के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्तरों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विकासखण्ड स्तर से राज्य स्तर की विविध प्रतियोगिताओं में सहभागिता के साथ ही स्थान हासिल करना, इसकी प्रामाणिकता को दर्शाता है।

विगत शैक्षिक सत्र 2023–24 में विद्यालय के कुल नामांकन 615 था, जो पूर्व सत्र 2022–23 की अपेक्षा 30प्रतिशत अधिक रहा। इस वर्ष 2023–24 में विद्यालय की हाई स्कूल परीक्षा का परिणाम 88 प्रतिशत एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा का परिणाम 86प्रतिशत रहा, जो विद्यालय की शैक्षिक स्थिति को दर्शाता है। वर्तमान में यह विद्यालय एकशाला एक परिसर के रूप में 1 से 12वीं तक सीएम राईज की अवधारणा पर संचालित है। सत्र 2022–23 में विद्यालय से 05 बच्चों का मेरिट कम मीन्स छात्रवृति के लिए चयन, कबड्डी, क्रिकेट, स्केटिंग में राज्य स्तरीय, खो–खो आदि खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों का विकास खण्ड से राज्य स्तर तक पहुंचना विद्यालय की गरिमा में चार चाँद लगाता है। सत्र 2023–24 में 02 बच्चों का स्कूटी योजना एवं 17 बच्चों का लैपटॉप योजना के लिए चयन हुआ है। सी एम राईज योजनान्तर्गत चयनित सुयोग्य शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विद्यालय में स्मार्ट क्लास की स्थापना, कम्प्यूटर लैब की स्थापना से बच्चे आधुनिक तकनीकी से भी परिचित एवं भिज्ञ हो रहे है जो आने वाले भविष्य के लिए सुखद संकेत है।

39.26 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन है अत्याधुनिक भवन वर्तमान मे 8.5 एकड़ परिसर में विद्यालय के नवीन भवन का निर्माण कार्य संचालित है, जिसके बनने के बाद लगभग 2000 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करेंगे और अभिभावकों का विश्वास विद्यालय के प्रति बढ़ेगा। विद्यालय में रोबोटिक लैब की स्थापना हुई है जो विद्यालय के बच्चों में आधुनिक ज्ञान एवं तकनीकी का सृजन करेगा। प्राचार्य विद्यालय के संचालन की धुरी होते हैं। किसी भी शैक्षणिक संस्था में प्राचार्य उस संस्था की विभिन्न गतिविधियों का केंद्र बिंदु होता है जैसा वह करते हैं वैसे ही विद्यालय चलता है। प्राचार्य कृष्ण कुमार पटेल के नेतृत्व में विद्यालय नित नवीन ऊचाईयों को स्पर्श करता जा रहा है। प्रचार्य के के पटेल ने शिक्षकों के परिश्रम की सराहना करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं स्थानीय जन और पालकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

# चिलचिलाती धूप में 46 गाँव प्याऊ के जरिए शीतल जल से बुझा रहे हैं राहगीरों की प्यास

**ग्वालियर**

ग्राम पंचायतों के सहयोग से स्थापित की गई हैं प्याऊ ग्वालियर जिले के ग्रामीण अंचल के मुख्य मार्गों पर स्थित गाँवों में खोलीं गईं प्याऊ चिलचिलाती धूप में शीतल जल से राहगीरों की प्यास बुझा रही हैं। जिले के 46 गाँवों में अब तक प्याऊ खोली जा चुकी है। जिला प्रशासन व जिला पंचायत ग्वालियर की इस पुनीत पहल की खूब सराहना हो रही है। जिन गांवों में भीषण गर्मी के दौरान प्याऊ शुरू की गई हैं उनमें निरावली, मिलावली, घिरोली, बरई, बड़ेराभारस, टेकनपुर, मकोड़ा, बासोड़ी मछरया, हिम्मतगढ़, जौरासी, रजियावर, बागवाला गाँव इत्यादि शामिल हैं। संबंधित ग्राम पंचायतों के सहयोग से अब तक जिले के विकासखंड भितरवार के 14, डबरा के 11 व घाटीगाँव के 21 गाँवों में प्याऊ खोली जा चुकी हैं। प्याऊ खोलने के लिये ऐसे गाँवों का चयन किया गया है, जहाँ से होकर बड़ी संख्या में राहगीर गुजरते हैं। साथ ही जिन गाँवों में गर्मी के मौसम के दौरान पीने के पीनी की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है।

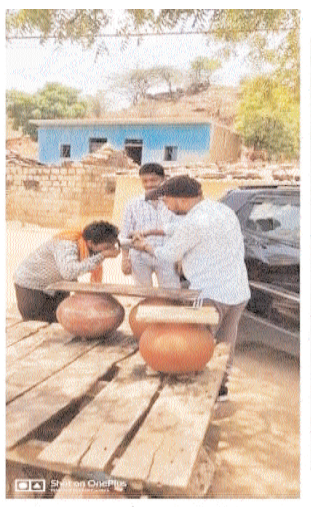

Gram panchayat Rajiyawar

Gram panchayat Himmtgrah

Gram panchayat Jaurashi

Gram panchayat Gp makoda

# बदमाश की गिरफ्तारी के लिए रात में पुलिस के दबिश

शुजालपुर सीटी थाने के जिला इनामी बदमाश जिला बदर शाकिर उर्फ़ पन्नी पिता शफीक पटेल ,टिपू पिता पिता शफीक तथा शफीक पिता रफीक सभी निवासी खारा कुंवा की तलाश में आज श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक महोदय बघेल सर ,शुजालपुर अनुभाग अधिकारी श्रीमान पिंटू कुमार बघेल ,थाना प्रभारी अकोदिया,थाना प्रभारी सीटी ,मंडी अपने समस्त स्टाफ के शाकिर पन्नी की तलाश उसके घर मोहल्ले में जाकर की जो नही मिला इसके साथ ही शुजालपुर डिविजन के थानों के गुंडे,बदमाश,निगरानी ,गिरफ्तारी वारंटियों ,स्थाई वारंटियों की भी धर पकड़ की गई ये अभियान आम जन में शांति अमन बनाए रखने तथा गुंडों बदमाशो को सबक सिखलाने के लिए इस प्रकार की कार्यवाहियां लगातार चलती रहेंगी।

# ट्रंप सभी 34 मामलों में दोषी करार
## सजा पर 11 जुलाई को होगी सुनवाई

**इंटरनेशनल डेस्क:** डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क में ऐतिहासिक हश मनी क्रिमिनल केस में बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के सभी 34 मामलों में दोषी ठहराया गया है। यह पहली बार है कि किसी पूर्व या वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी अपराध का दोषी ठहराया गया है। 12 जूरी सदस्यों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाने से पहले दो दिनों तक विचार-विमर्श किया। उन्हें 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। पूर्व राष्ट्रपति को जेल हो सकती है, लेकिन कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि जुर्माना लगाना अधिक संभावित परिणाम है। डोनाल्ड ट्रंप पर अपने राजदार वकील कोहेन (जो अब विरोधी हो गए हैं) के जरिये पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनिएल्स को पैसे दिलवाने का आरोप है, ताकि वह उनके राज न खोले। यह मामला उनके पहली बार अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले 2016 का है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, जूरी ने डोनाल्ड ट्रंप पर फैसला सुनाने से पहले दो दिनों में करीब 9.5 तक घंटे विचार विमर्श किया। इसके बाद 12 सदस्यीय जूरी ने डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस से जुड़े उन सभी 34 मामलों में दोषी पाया, जिनका सामना उन्होंने किया था। जूरी के फैसले के वक्त डोनाल्ड ट्रंप दीवार की ओर मुंह करके बैठे थे। जबकि कोर्ट के बाहर उनके समर्थक और विरोधी बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए थे। फैसले के बाद कोर्ट से बाहर निकलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'यह एक धांधली वाला, शर्मनाक मुकदमा था। असली फैसला 5 नवंबर को लोगों द्वारा सुनाया जाएगा। वे जानते हैं कि क्या हुआ था, और हर कोई जानता है कि यहां क्या हुआ था।' यह फैसला ट्रम्प के लिए एक चौंकाने वाला कानूनी फैसला है। उन्हें अब इस केस में जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

# गाजा में युद्ध का अंत? समझौते को तैयार
## हमासज्इजराइल के सामने रखी शर्त

**इंटरनेशनल डेस्क:** इजराइल का गाजा और राफा पर हमलों के बीच हमास ने गुरुवार को पूर्ण समझौते की बात कही। हमास ने कहा कि अगर इजराइल गाजा में लोगों के खिलाफ अपना युद्ध बंद कर देता है, तो वो बंधकों की रिहाई समेत पूर्ण समझौते के लिए तैयार हैं। हमास ने कहा कि इजराइल को गाजा में लोगों के खिलाफ अपना युद्ध और आक्रामकता बंद करना होगा। हमास का यह बयान तब आया है जब इजराइल ने हमलों को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत, इंटरनेशनल कोर्ट (आईसीजे) के आदेश के बावजूद, दक्षिणी गाजा शहर राफा पर आक्रमण जारी रखा है। हमास और फिलिस्तीनी गुट हमारे लोगों की आक्रामकता, घेराबंदी, भुखमरी और नरसंहार के आलोक में (युद्धविराम) वार्ता जारी रखकर इस नीति का हिस्सा बनना स्वीकार नहीं करेंगे। इसमें कहा गया है कि आज, हमने मध्यस्थों को अपनी स्पष्ट स्थिति से अवगत कराया कि अगर इजराइल गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध और आक्रामकता बंद कर देता है, तो हमारी तत्परता एक पूर्ण समझौते पर पहुंचने के लिए है, जिसमें दोनों तरफ से बंधकों की रिहाई शामिल है।

# जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व इमरान खान बोले
## मुझे जनरल बाजवा पर भरोसा करने का अफसोस

**इस्लामाबाद:** भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों में जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पद पर रहते हुए किए गए कार्यों में से जिस एकमात्र कार्य पर उन्हें अफसोस है, वह है जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा पर भरोसा करना। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सेना प्रमुख ने दूसरा सेवा विस्तार पाने के लिए उनके बारे में ''कहानियां फैलाई। विपक्ष ने अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए 71 वर्षीय खान को सत्ता से अपदस्थ कर दिया था। खान ने बाजवा पर उनकी सरकार के खिलाफ अहम भूमिका निभाने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक खान वर्तमान में कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की आलोचना की। डॉन अखबार में छपी खबर के मुताबिक खान ने यह विचार पत्रकार मेहदी हसन को दिए साक्षात्कार में व्यक्त किए हैं। खबर के मुताबिक जब खान से पूछा गया कि उनको कारागार में डालने के लिए वह किसे जिम्मेदार मानते हैं, तो पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि यह सब जनरल बाजवा का किया धरा है। मैं इसके लिए किसी और को जिम्मेदार नहीं मानता। उन्होंने इसकी सावधानीपूर्वक योजना बनाई और उसे अंजाम दिया, खुद को एक धोखेबाज व्यक्ति के रूप में पेश किया, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अराजकता फैलाने के लिए झूठ और झूठी कहानियां गढ़ीं। यह सब उन्होंने अपने सेवा विस्तार के लिए किया। खान ने कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने 2019 में जनरल बाजवा के लिए तीन साल का सेवा विस्तार मंजूर किया था। यह मंजूरी उनके सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त होने से बमुश्किल तीन महीने पहले दी गई थी। हालांकि, 2022 में 'बोल न्यूज को दिए गए एक साक्षात्कार में खान ने कहा था कि उन्होंने सेवा विस्तार देकर गलती की है। खान ने अपने साक्षात्कार में कहा, ''वह (बाजवा) लोकतंत्र और पाकिस्तान पर अपने कार्यों के हानिकारक प्रभाव को समझने में पूरी तरह विफल रहे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अब भी मानते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन उन्हें पद से हटाने में शामिल था, तो खान ने इसके लिए पूरी तरह से पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''जनरल बाजवा ने अकेले ही अमेरिका जैसे देशों में मेरे बारे में झूठी कहानियां फैलाईं और मुझे अमेरिका विरोधी या उनके साथ अछे संबंधों में रुचि न रखने वाला बताया। खान ने कहा, ''सत्ता की उनकी लालसा ने उन्हें गैर भरोसेमंद बना दिया है।

# रूस की सत्ता पर राज करेगा पुतिन का बॉडी गार्ड
## जानें कौन है उत्तराधिकारी एलेक्सी ड्यूमिन ?

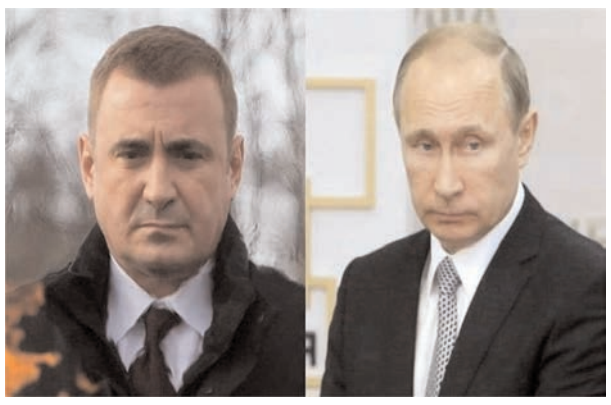

**इंटरनेशनल डेस्क:** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पांचवीं बा राष्ट्रपति बनने के बाद सवाल उठ रहा था कि उनके बाद कौन उनका उत्तराधिकारी बनेगा। लेकिन अब पुतिन ने अपने पूर्व बॉडी गार्ड को बड़ा पद उसके उत्तराधिकारी बनने की अटकलों को तेज कर दिया है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति ने अपने पूर्व बॉडी गार्ड एलेक्सी ड्यूमिन को सलाहकार राज्य परिषद का सचिव नियुक्त किया है। इस कदम से अब उनके रूसी राष्ट्रपति पद की क्षमता की अटकलें तेज हो गई हैं। पुतिन फिर छह वर्षों के लिए राष्ट्रपति चुने गए हैं। 51 साल के ड्यूमिन को उन्होंने रक्षा उद्योग की देखरेख का काम सौंपा है। इससे वह मॉस्को और सत्ता के केंद्र के करीब पहुंच गए हैं। पुतिन द्वारा ड्यूमिन को स्टेट काउंसिल में नियुक्त करने से जुड़ा आदेश बुधवार को क्रेमलिन की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया। हालांकि इसमें उनकी नई भूमिका के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। क्रेमलिन के पूर्व सलाहकार और पुतिन के समर्थक सर्गेई मार्कोव ने टेलीग्राम पर कहा, %रूस का एलीट क्लास राज्य परिषद के सचिव के रूप में ड्यूमिन की नियुक्ति को लेकर उत्साहित है।% मार्कोव ने कहा, %इसे इस बात की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है कि ड्युमिन रूस के भावी राष्ट्रपति हैं, जिन्हें पुतिन ने चुना है।% उन्होंने कहा यह कुछ ऐसा था, जिसके बारे में लंबे समय से अफवाहें सुनने को मिल रही थीं। हालांकि अभी सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी नहीं है कि पुतिन का उत्तराधिकारी कौन हो सकता है। पुतिन इस समय 71 साल के हैं और अगले कई वर्षों तक उनके शासन की उम्मीद की जा रही है। उनकी हर नियुक्ति पर दुनिया की नजर होती है। माना जाता है कि वह इनमें से ही किसी को संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार बना सकते हैं। ड्यूमिन की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर क्रेमलिन ने कहा कि यह एक रोटेशन का हिस्सा था। वह 72 साल के इगोर लेविटिन का पद संभालेंगे।

एलेक्सी ड्यूमिन का जन्म 28 अगस्त 1972 को कुर्स्क में जन्म हुआ था। उनके पिता मिलिट्री में एक डॉक्टर थे और मां टीचर थीं। साल 1995 में वह फेडरल गार्ड्स सर्विस में शामिल हुए। राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन और प्रधान मंत्री विक्टर चेर्नोमिर्डिन दोनों के वह बॉडीगार्ड रहे हैं।

अगस्त 1999 से ड्यूमिन ने पुतिन के पहले और दूसरे कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति के बॉडी गार्ड के रूप में काम किया।

साल 2012 में ड्यूमिन को राष्ट्रपति बॉडी गार्ड का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। 2014 में वह रूसी सैन्य खुफिया के उप प्रमुख बने।

क्रीमिया पर कब्जे के पीछे प्रमुख लोगों में से ड्यूमिन भी थे। 2015 में उन्हें डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर बनाया गया।

# केरल और पूर्वोत्तर में वक्त से पहले पहुंचा
## मानसून, क्या उत्तर भारत में भी जल्द होगी एंट्री

**नई दिल्ली:** दक्षिण-पश्चिम मानसून ने बृहस्पतिवार को केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में समय से पहले दस्तक दे दी, जिससे भारत की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण चार महीने की वर्षा ऋतु की शुरुआत हो गई। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मानसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मानसून के जल्दी पहुंचने का एक कारण हो सकता है। मौसम विभाग ने 15 मई को 31 मई तक केरल में मानसून के आगमन की घोषणा की थी। केरल और पूर्वोत्तर में मानसून का एक साथ आगमन बहुत कम देखने को मिला है और इससे पहले चार बार 2017, 1997, 1995 और 1991 में ऐसा हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में प्रवेश कर चुका है और आज, 30 मई, 2024 को पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम कार्यालय ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा, मेघालय और असम के कुछ हिस्सों समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिकांश भागों में दस्तक दे दी है। साल 1971 और 2024 के बीच, केरल में मानसून का सबसे पहले आगमन 1990 में हुआ था और उस साल 18 मई को राज्य में मानसून की शुरुआत हुई थी। केरल में मानसून का आगमन 1999 में 22 मई को, तथा 1974 और 2009 में 23 मई को हुआ था। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार केरल में पिछले कुछ दिन से भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप मई में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। केरल में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि एक जून है, तथा अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम में मानसून के आगमन की तिथि पांच जून है। आईएमडी केरल में मानसून के आगमन की घोषणा तब करता है, जब राज्य और पड़ोसी क्षेत्रों के 14 से अधिक केंद्रों पर 10 मई के बाद किसी भी समय लगातार दो दिनों तक 2.5 मिली मीटर या उससे अधिक वर्षा होती है, आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन (ओएलआर) कम होता है, और हवाओं की दिशा दक्षिण-पश्चिमी होती है। भारत के कृषि परिदृश्य के लिए मानसून बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुल खेती योग्य भूमि का 52 प्रतिशत हिस्सा इस पर निर्भर है। यह देश भर में बिजली उत्पादन के अलावा पेयजल के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों को भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है। जून और जुलाई को कृषि के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानसून महीने माना जाता है क्योंकि खरीफ फसल की अधिकांश बुवाई इसी अवधि के दौरान होती है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 जून को गुजरात में दस्तक देगा। अहमदाबाद स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक रामाश्रय यादव ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून बृहस्पतिवार को केरल और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। यह 15 जून को गुजरात में दस्तक देगा, जो राज्य में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि है।

## झारखंड में सातवें चरण का चुनाव प्रचार खत्म, कल होगा मतदान, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

**रांची:** झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि सातवें चरण के चुनाव के तहत एक जून को गोड्डा, राजमहल और दुमका में होने वाले मतदान के लिए शाम प्रचार थम गया। कुमार ने गुरुवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव प्रचार आदि कार्यों को लेकर बाहर से उस क्षेत्र में गए लोगों का वहां से निकलना भी शुरू हो चुका है। निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए बाइक सवार क्विक रिस्पांस टीम की भी तैनाती की गई है। पूर्व में कुछ क्षेत्रों में नक्सली गतिविधि थी, लेकिन वर्तमान में इलाके में नक्सली गतिविधि का कोई खुफिया इनपुट नहीं है। दुमका के तीन बूथों को बदला गया है। मतदानकर्मी शुक्रवार को मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगे और शनिवार को मतदान के बाद सभी मतदानकर्मी वापस लौट जाएंगे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि इस बार दिनभर मतदान होगा, इसलिए सभी मतदाता मतदान जरूर करें। उन्होंने बताया कि तीन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र गोड्डा, राजमहल और दुमका में कुल मतदाताओं की संख्या 53,23,886 है। उनमें 27,00,538 पुरुष, 26,23,315 महिला समेत 33 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। वहीं कुल बूथों की संख्या 6258 है। इनमें से 489 बूथ शहरी इलाके में और 5769 बूथ ग्रामीण क्षेत्र में हैं। 241 बूथों की कमान महिलाओं के हाथों में होगी। जबकि 7 बूथों पर दिव्यांग और 11 पर युवा मतदान की सारी व्यवस्था संभालेंगे। 18 बूथ यूनिक हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि राजमहल (अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 17,04,671 मतदाता एक जून को मतदान में हिस्सा लेंगे। इनमें 8,51,165 पुरुष, 8,53,496 महिला और 10 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं। इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2020 मतदान केंद्र हैं। इनमें से 127 शहरी क्षेत्र में और 1893 बूथ ग्रामीण क्षेत्र में हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में 166 मतदान केंद्र पूरी तरह महिलाओं के द्वारा संचालित होंगे। इसी तरह 3 बूथ दिव्यांगों द्वारा और 6 बूथ युवाओं द्वारा संचालित किये जाएंगे।

# लाहौर समझौते पर नवाज की टिप्पणी पर भारत ने
## कहा- पाकिस्तान में उभर रहा निष्पक्ष दृष्टिकोण

**इंटरनेशनल डेस्क:** भारत ने पाकिस्तान के लाहौर समझौते का उल्लंघन करने संबंधी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी के कुछ दिनों बाद बृहस्पतिवार को कहा कि पड़ोसी देश में इस मुद्दे पर एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। शरीफ ने मंगलवार को कहा था कि पाकिस्तान ने उनके और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बीच 1999 में भारत के साथ हुए समझौते का उल्लंघन किया है। उनका इशारा जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा करगिल पर किए गए हमले की ओर था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं। मुझे इसे दोहराने की आवश्यकता नहीं है। हम देखते हैं कि इस मामले पर पाकिस्तान में भी एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। वह अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में इस मामले पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। लाहौर में ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के बाद, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी और शरीफ ने 21 फरवरी, 1999 को लाहौर घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों पड़ोसी देशों के बीच शांति और स्थिरता के दृष्टिकोण पर बात करने वाला यह समझौता एक सफलता का संकेत है। कुछ महीने बाद, हालांकि जम्मू कश्मीर के करगिल जिले में पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण भीषण संघर्ष हुआ। शरीफ ने पीएमएल-एन की आम परिषद की बैठक में कहा, 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए। उसके बाद वाजपेयी साहब यहां आए और हमारे साथ समझौता किया। लेकिन हमने उस समझौते का उल्लंघन किया... यह हमारी गलती थी। इस आम परिषद की बैठक में उन्हें पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पार्टी का अध्यक्ष चुना गया है।

## चारधाम यात्रा में वीआईपी दर्शन पर अब इस तारीख तक लगी रोक
### CM धामी ने दिए निर्देश

**नेशनल डेस्क:** चारधाम यात्रा में उमड़ रही भारी भीड़ के मद्देनजर उत्तराखंड सरकार ने बृहस्पतिवार को मंदिरों में वीआईपी दर्शन पर रोक 10 जून तक के लिए बढ़ा दी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस संबंध में एक पत्र लिखकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को सूचित कर दिया है। अपने पत्र में रतूड़ी ने अपने समकक्षों को जनता को अनिवार्य पंजीकरण के बारे में जागरूक करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग के कारण राज्य सरकार को चारधाम यात्रा के प्रभावी प्रबंधन में मदद मिली है। मुख्य सचिव ने अनुरोध किया कि मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी संख्या के मद्देनजर सुविधा की दृष्टि से 10 जून तक गणमान्य व्यक्ति तथा अन्य वीआईपी धामों के दर्शन के लिए न आएं। इससे पहले, राज्य सरकार ने 25 मई तक वीआईपी दर्शन पर रोक लगाई थी जिसे बाद में 31 मई तक बढ़ा दिया गया। दस मई को चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 13.84 लाख श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर चुके हैं। अब तक केदारनाथ में 5,70,465, बदरीनाथ में 3,20,773, यमुनोत्री में 2,50,826 और गंगोत्री में 2,42,624 श्रद्धालु पहुंच चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569